दैनिक

करंट क्राइम

www.currentcrime.com

सिर्फ सच...

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली सोमवार 08 जून -2026 ● वर्ष : 11 अंक : 165 पेज -08 ● RNI NO. DELHI/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

गांधी नगर की कपड़ा मार्किट में भीषण आग

धुएं और लपटों से मचा हड़कंप, करोड़ों का नुकसान

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के शाहदरा जिले के गांधी नगर थाना क्षेत्र स्थित नेहरू गली, लाल बत्ती चौक में शनिवार देर रात एक कपड़ों की दुकान में अचानक आग लग गई। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। दुकान से उठती तेज लपटों और घने धुएं को देखकर स्थानीय लोग सहम गए और तुरंत पुलिस व दमकल विभाग को सूचना दी।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की चार गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। दमकल कर्मियों ने काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया। समय रहते कार्रवाई होने के कारण आग को आसपास की अन्य दुकानों और इमारतों तक फैलने से रोक लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार शुरूआत में दुकान से धुआं निकलता दिखाई दिया, लेकिन कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया। दुकान में बड़ी मात्रा में कपड़े और अन्य ज्वलनशील सामान रखा हुआ था, जिसके कारण आग तेजी से फैलती चली गई। स्थानीय लोगों ने शुरूआती स्तर पर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग बढ़ने की वजह से दमकल विभाग की मदद लेनी पड़ी।

दुकान में रखा सामान जलकर खाक : आग की वजह से दुकान में रखा कपड़ा, फर्नीचर और अन्य सामान काफी हद तक जलकर नष्ट हो गया। इस घटना से दुकान मालिक को भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। हालांकि नुकसान का सही आकलन अभी नहीं किया गया है। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं

राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी व्यक्ति के घायल या हताहत होने की सूचना नहीं है।

शहर विधायक के लैटर के बाद हुआ ये खुलासा

गंगनहर में चली गयी है डूबकर दस लोगों की जान

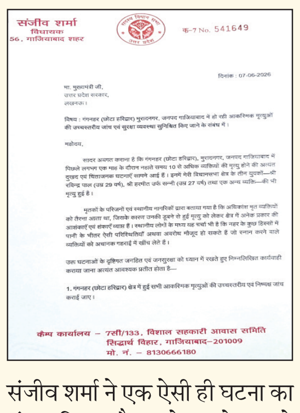
संजीव शर्मा
विधायक
56. गाजियाबाद शहर
क-7 No. 541649

दिनांक : 07-06-2026

मा. मुख्यमंत्री जी,
उत्तर प्रदेश सरकार,
लखनऊ।

विषय : गंगनहर (छोटा हरिद्वार) मुरादनगर, जनपद गाजियाबाद में हो रही आकस्मिक मृत्युओं की उच्चस्तरीय जांच एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के संबंध में।

महोदय,

सादर अवगत कराना है कि गंगनहर (छोटा हरिद्वार), मुरादनगर, जनपद गाजियाबाद में पिछले लगभग एक माह के दौरान नहाते समय 10 से अधिक व्यक्तियों की मृत्यु होने की अत्यंत दुखद एवं चिंताजनक घटनाएँ सामने आई हैं। इनमें मेरी विधानसभा क्षेत्र के तीन युवकों—श्री रविन्द्र पाल (उम्र 29 वर्ष), श्री हरमीत उर्फ सन्नी (उम्र 27 वर्ष) तथा एक अन्य व्यक्ति—की भी मृत्यु हुई है।

मृतकों के परिजनों एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा बताया गया है कि अधिकांश मृत व्यक्तियों को तैरना आता था, जिसके कारण उनकी डूबने से हुई मृत्यु को लेकर क्षेत्र में अनेक प्रकार की आशंकाएँ एवं शंकाएँ व्याप्त हैं। स्थानीय लोगों के मध्य यह चर्चा भी है कि नहर के कुछ हिस्सों में पानी के भीतर ऐसी परिस्थितियाँ अथवा अवरोध मौजूद हो सकते हैं जो स्नान करने वाले व्यक्तियों को अचानक गहराई में खींच लेते हैं।

उक्त घटनाओं के दृष्टिगत जनहित एवं जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित कार्यवाही कराया जाना अत्यंत आवश्यक प्रतीत होता है—

1. गंगनहर (छोटा हरिद्वार) क्षेत्र में हुई सभी आकस्मिक मृत्युओं की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए।

कैम्प कार्यालय – 7सी/133, विशाल सहकारी आवास समिति
सिद्धार्थ विहार, गाजियाबाद-201009
मो. नं. – 8130666180

गाजियाबाद, करंट क्राइम। कभी कभी घटनायें इस तरह से घटित हो रही होती हैं कि वो बाहर से सामान्य लग रही होती हैं, लेकिन सबकुछ सामान्य नहीं होता है। शहर विधायक संजीव शर्मा ने एक ऐसी ही घटना का संज्ञान लिया और उनके पत्र के बाद ये खुलासा हुआ है कि एक महीने में मुरादनगर की गंगनहर में दस लोगों की डूबने से मौत हो गयी है। शहर विधायक संजीव शर्मा ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है, उन्होंने अपने पत्र में ये हवाला दिया है कि छोटा हरिद्वार कही जाने वाले मुरादनगर की गंगनहर में आकस्मिक मौतें हो रही हैं। शहर विधायक ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की जाये और सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित कियाजाये।

कोई तो है जो पानी के भीतर ले रहा है जान

करंट क्राइम। शहर विधायक संजीव शर्मा ने पत्र लिखा और कहा कि जिन लोगों की मृत्यु हुई है उनके परिजन बता रहे हैं कि उनको तैरना आता था। अनेक प्रकार की आशंकायें हैं और स्थानीय लोगों में ये चर्चा है कि कुछ ऐसी अवरोध मौजूद हो सकते हैं जो पानी के भीतर हैं और स्नान करने वाले व्यक्तियों को अचानक गहराई में खींच लेते हैं।

विधायक ने पत्र के साथ दिये हैं 6 सुझाव

करंट क्राइम। विधायक संजीव शर्मा ने डूबकर हुई मौतों की जांच की मांग की है। उन्होंने तकनीकी टीम द्वारा नहर के जलप्रवाह, गहराई, भंवर तथा अन्य संभावित खतरनाक स्थानों का सर्वेक्षण कराने की मांग की हे। उन्होंने कहा है कि संवेदनशील तथा दुर्घटना वाले स्थलों को चिन्हित कर यहां चेतावनी बोर्ड, बैरिकेटिंग, सुरक्षासंकेतक लगाये जाये। गोताखोरों, जलपुलिस तथा आपदा राहत दल की स्थानीय तैनाती सुनिश्चित की जाये। सीसीटीवी कैमरे तथा अन्य निगरानी व्यवस्थायें की जायें। भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनर्रावर्ती रोकने हेतु आवश्यक सुरक्षा मानकों को तत्काल लागू कियाजाये।

आज मुख्यमंत्री से मिलेंगे शहर विधायक संजीव शर्मा

करंट क्राइम। मुरादनगर की गंगनहर में हुई मौतों का मामला मुख्यमंत्री तक जा पहुंचा है। शहर विधायक संजीव शर्मा ने इस मामले को उठाया है और वो आज मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे और इस पूरे विषय को उनके समक्ष रखेंगे।

शहर विधायक बोले मेरी विधानसभा क्षेत्र के तीन युवकों ने गंवाई जान

करंट क्राइम। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में विधायक संजीव शर्माने एक महीने में दस मौतों का हवाला दिया। और बताया है कि मेरी विधानसभा क्षेत्र से 29 वर्षीय रविन्द्र पाल , 27 वर्षीय हरमीत तथा एक अन्य व्यक्ति की नहाने के दौरान डूबने से मौत हो गयी है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मिले विधायक पंकज सिंह, प्राप्त किया मार्गदर्शन

नई दिल्ली में हुई शिष्टाचार भेंट, राष्ट्रसेवा और संगठनात्मक विषयों पर हुई चर्चा

पंकज सिंह भाजपा के प्रमुख नेताओं में गिने जाते हैं और संगठन के साथ-साथ क्षेत्रीय विकास के मुद्दों पर भी सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। ऐसे में केंद्रीय नेतृत्व के साथ उनकी मुलाकात को संगठनात्मक और राजनीतिक दृष्टि से भी अहम माना जा रहा है।

नोएडा/नई दिल्ली, करंट क्राइम। नोएडा से विधायक एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने गृहमंत्री से मार्गदर्शन प्राप्त किया और विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा की। भेंट के बाद पंकज सिंह ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि उन्होंने देश के यशस्वी गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि अमित शाह का मार्गदर्शन उन्हें सदैव राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करता है। पंकज सिंह ने गृहमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि व्यस्ततम कार्यक्रम के बावजूद समय देने और स्नेह प्रदान करने के लिए वह उनके हृदय से आभारी हैं। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नेतृत्व का मार्गदर्शन संगठन और जनसेवा के कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने की प्रेरणा देता है। राजनीतिक गलियारों में इस मुलाकात को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पंकज सिंह भाजपा के प्रमुख नेताओं में गिने जाते हैं और संगठन के साथ-साथ क्षेत्रीय विकास के मुद्दों पर भी सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। ऐसे में केंद्रीय नेतृत्व के साथ उनकी मुलाकात को संगठनात्मक और राजनीतिक दृष्टि से भी अहम माना जा रहा है। गौरतलब है कि पंकज सिंह वर्तमान में नोएडा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं तथा भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उनके द्वारा साझा की गई इस मुलाकात की तस्वीर सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बनी हुई है।

नेताओं के बच्चों के चुनाव लड़ने की क्यों है फिक्र

अजय शर्मा ने लखनऊ की खबर डालकर किया इस बात का जिक्र

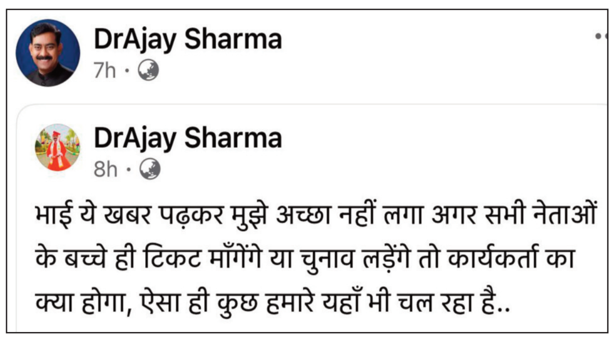
DrAjay Sharma
7h ·

DrAjay Sharma
8h ·
भाई ये खबर पढ़कर मुझे अच्छा नहीं लगा अगर सभी नेताओं के बच्चे ही टिकट माँगेंगे या चुनाव लड़ेंगे तो कार्यकर्ता का क्या होगा, ऐसा ही कुछ हमारे यहाँ भी चल रहा है..

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। राजनीति में सियासत के साथ-साथ हर कोई चाहता हैं कि वो अपनी विरासत भी अपनी संतानों को सौंपे, ये कोई नई बात नहीं है। राजीनति में कर्मभूमि विकसित होती है और एक परिवार से कई नेता हो सकते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चंद्रशेखर के पुत्र नीरज शेखर राजनीति में हैं, पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के पुत्र स्व. अजीत सिंह राजनीति में रहे। रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और केंद्रीय सरकार में मंत्री हैं। बात करें तो स्व. अजीत सिंह के पुत्र जयंत चौधरी राजनीति में हैं। भाजपा में स्व. सुषमा स्वराज की पुत्री बांसुरी स्वराज राजनीति में हैं और वर्तमान में लोकसभा सांसद हैं। बात करें तो राजनाथ के सुपुत्र पंकज सिंह नोएडा से विधायक हैं, नीरज सिंह भले ही जनप्रतिनिधि नहीं हैं, लेकिन हमेशा सक्रिय रूप से राजनीति करते हैं और कार्यकर्ता भाव के साथ काम करते हैं।

स्थानीय स्तर पर देखें तो पूर्व कैबिनेट मंत्री स्व. राजपाल त्यागी के सुपुत्र अजीतपाल त्यागी लगातार दूसरी बार विधायक हैं। राजद छोड़कर रालोद में आ चुके पूर्व सांसद केसी त्यागी के सुपुत्र अम्बरीश त्यागी राजनीति में स्थापित होने की प्रक्रिया में हैं और यह सब एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। हर कोई अपने दम पर ही स्थापित होता है। राजनीति में परिवार का केवल टैग मिलता है, मेहनत आपको करनी है। फिर भी अगर कोई सियासी परिवार से आ रहा है तो फिर ये सवाल भी उठता है कि कार्यकर्ता को टिकट कब मिलेगा। क्या परिवार वाली एंट्री किसी कार्यकर्ता का रास्ता रोक रही है। हालांकि अगर ऑन रिकॉर्ड देखेंगे तो भले ही कितने बड़े कद का पारिवारिक सदस्य हो लेकिन उनके पास पार्टी की प्राथमिक सदस्यता की रसीद मिलेगी। वो कहीं ना कहीं राजनीतिक जमीन पर पसीना भी बहा रहे होते हैं। इन सबके बीच लखनऊ से एक खाबर प्रकाशित हुई और उस खबर में नेताओं के बच्चों के चुनाव लड़ने का जिक्र था। लखनऊ से छपी इस खबर पर पूर्व महानगर अध्यक्ष अजय शर्मा ने संज्ञान लिया।

अजय शर्मा ने इस खबर की कटिंग फेसबुक पर डालकर इसका जिक्र किया और इस परिपार्टी पर फिक्र व्यक्त की। अजय शर्मा भाजपा के जुझारू और बेबाक नेताओं में गिने जाते हैं। पूर्व महानगर अध्यक्ष हैं, प्रदेश में मोर्चे में संयोजक वाली जिम्मदारी है। आंदोलन वाले नेता रहे हैं और सबसे खास बात ये है कि वो दावेदारी से लेकर भागीदारी तक अपनी बात को स्पष्टता से रखते हैं।

सामान्य बात है और इस बात में कार्यकर्ता के पैरोकार बनकर अजय शर्मा ने कार्यकताओं की बात रखी। वो एक तरह से ये चिंता जता रहे हैं कि अगर नेताओं के पुत्र आएंगे तो कार्यकर्ता कहां जाएंगे। इलेक्शन में प्रमोशन वाले कनेक्शन का वो करंट वाला सवाल उठा रहे हैं। अगर नेता अपनी संतानों को प्रमोट करेंगे तो फिर वो किसी कार्यकर्ता की बात नहीं रखेंगे। अजय शर्मा की ये फिक्र नजर आई है। वो नई पौध के कार्यकताओं की दावेदारी का मामला उठा रहे हैं। चर्चा ये है कि वो लखनऊ की खबर से गाजियाबाद में निशाना साध रहे हैं। लखनऊ की खबर से वो यहां किसको निशाने पर ले रहे हैं, वो गाजियाबाद में क्यों जिक्र कर रहे हैं। भाजपा के सूत्र बताते हैं कि सब जानते हैं कि इन दिनों एक जनप्रतिनिधि अपने बेटे को साथ लेकर चल रहे हैं। पिता-पुत्र का साथ-साथ रहना कोई विचित्र बात नहीं है, लेकिन फिक्र वाले चित्र में एक एंगल ये भी है। वैसे भी अजय शर्मा राजनीतिक दावेदारी में हैं, वो फिर से उसी विधानसभा में डेरा डाल चुके हैं जहां से उन्होंने पहले दावेदारी की थी। अजय शर्मा ने इस कटिंग को डाला और लिखा कि भाई ये खबर पढ़कर मुझे अच्छा नहीं लगा, कार्यकार्ता का क्या होगा। ये भी लिखा कि हमारे यहां भी ऐसा ही कुछ चल रहा है। फिलहाल क्या चल रहा है क्या नहीं चल रहा है इन सबके बीच अजय शर्मा राजनीति में फैमिली एंट्री को लेकर सामने आ गये हैं।

अतुल गर्ग की राजनीतिक गतिविधियों ने बढ़ाई चर्चाएं

क्या फिर मिलने वाली है कोई बड़ी और अहम जिम्मेदारी?

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति में कई बार छोटी दिखने वाली गतिविधियां बड़े संकेत छोड़ जाती हैं। गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग इन दिनों लगातार व्यापारियों के बीच पहुंच रहे हैं। रमतेराम रोड स्थित व्यापार मंडल अध्यक्ष राकेश स्वामी के प्रतिष्ठान पर व्यापारियों के साथ उनकी हालिया बैठक ने राजनीतिक गलियारों में नई चचाओं को जन्म दे दिया है। बैठक के दौरान सांसद अतुल गर्ग ने केंद्र सरकार की योजनाओं, उपलब्धियों और व्यापारियों के हित में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। लेकिन राजनीतिक जानकारों की नजर केवल बैठक तक सीमित नहीं है। सवाल यह उठ रहा है कि क्या यह महज जनसंपर्क अभियान है या फिर इसके पीछे कोई बड़ा राजनीतिक संदेश छिपा हुआ है?

अतुल गर्ग का राजनीतिक सफर हमेशा अप्रत्याशित मोड़ों से भरा रहा है। विधायक रहते हुए उन्हें प्रदेश सरकार में मंत्री बनाया गया था। इसके बाद गाजियाबाद लोकसभा सीट पर पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व सेना प्रमुख जनरल वी.के. सिंह जैसे कद्दावर चेहरे के स्थान पर पार्टी ने उन पर भरोसा जताते हुए टिकट सौंपा और वे संसद पहुंचे। यही नहीं, संगठन ने भी समय-समय पर उन पर भरोसा दिखाया। उन्हें चंडीगढ़ का प्रभारी बनाया गया। दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान टिकट वितरण जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। चुनाव परिणाम भाजपा के पक्ष में आए और संगठन में उनकी भूमिका की चर्चा हुई। हाल ही में राष्ट्रपति के साथ चुनिंदा सांसदों के प्रतिनिधिमंडल में शामिल होकर उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी वास्तविकताओं को दुनिया के सामने रखने का काम किया। इस प्रतिनिधिमंडल में शामिल होना भी राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना गया, क्योंकि ऐसे अवसर आमतौर पर उन नेताओं को मिलते हैं जिन पर पार्टी और नेतृत्व का विशेष भरोसा होता है।

इसी पृष्ठभूमि में व्यापारियों के बीच उनकी बढ़ती सक्रियता को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा संगठन और सरकार में भविष्य में होने वाले बदलावों के मद्देनजर अतुल गर्ग को कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है। हालांकि पार्टी की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक संकेत नहीं दिया गया है। फिलहाल इतना तय है कि सांसद अतुल गर्ग की लगातार बढ़ती सक्रियता और संगठन में उनकी स्वीकार्यता ने राजनीतिक चचाओं को जरूर हवा दे दी है। अब देखना यह होगा कि आने वाले समय में यह सक्रियता केवल जनसंपर्क तक सीमित रहती है या फिर उन्हें कोई बड़ी राजनीतिक जिम्मेदारी भी मिलती है।

सांसद अतुल गर्ग की पहल पर 15 वर्षों पुराना अतिक्रमण हटाया गया

करंट क्राइम। भाटिया मोड़ स्थित श्री गुरुजी पिताजी महाराज फार्म में विद्यालय की भूमि पर पिछले करीब 15 वर्षों से चले आ रहे अवैध अतिक्रमण को प्रशासन ने हटाकर भूमि को अतिक्रमण मुक्त करा दिया। इस कार्रवाई को सांसद अतुल गर्ग की पहल का परिणाम माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार 6 जून 2026 को आयोजित दिशा समिति की बैठक में सांसद अतुल गर्ग ने विद्यालय की भूमि पर हुए अवैध अतिक्रमण का मुद्दा प्रमुखता से उठाते हुए प्रशासन से तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया था। सांसद के हस्तक्षेप के बाद प्रशासन ने उसी दिन शाम को एसीपी एवं संबंधित अधिकारियों के नेतृत्व में भारी पुलिस बल की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान अतिक्रमित क्षेत्र को खाली कराकर विद्यालय की भूमि को कब्जामुक्त कराया गया। बताया गया कि यह समस्या लंबे समय से लंबित थी, जिससे विद्यालय प्रबंधन और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। अतिक्रमण हटने के बाद स्थानीय नागरिकों एवं विद्यालय प्रबंधन ने सांसद अतुल गर्ग तथा प्रशासन का आभार व्यक्त किया। क्षेत्रवासियों ने कहा कि लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान होने से लोगों में संतोष है और विद्यालय की संपत्ति को सुरक्षित करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

श्री सुल्लामल रामलीला कमेटी ने जारी किया 56 कार्यों का पत्रक

सांसद अतुल गर्ग ने किया विमोचन

विमोचन

हनुमान प्रतिमा निर्माण और आधुनिक ऑडिटोरियम सहित कई बड़े विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार

गाजियाबाद, करंट क्राइम। श्री सुल्लामल रामलीला कमेटी के वर्तमान पदाधिकारियों ने वर्ष 2025-26 के 56 कार्यों का पत्रक जारी किया, जिसका विमोचन सांसद अतुल गर्ग ने किया। पत्रक में 56 महत्वपूर्ण कार्यों का उल्लेख किया गया। साथ ही प्रस्तावित कार्यों में तुलसी वाटिका से रथ गोदाम तक टिनशेड का निर्माण, अशोक वाटिका स्टेज के ऊपर भव्य महल की मंजिल का निर्माण आदि। महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं।

इस अवसर पर सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि वर्तमान पदाधिकारियों ने बहुत अच्छे कार्य किए हैं और उनके प्रयासों की सराहना की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि संभव है कुछ कार्य सभी को समान रूप से पसंद न आएं, लेकिन समाजहित में किए गए कार्यों की आलोचना करने के बजाय सकारात्मक सोच के साथ सहयोग करना चाहिए।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से उस्ताद अशोक गोयल, राजेन्द्र मित्तल मेंदी वाले, सुभाष गुप्ता, ज्ञान प्रकाश गोयल, राकेश स्वामी, मोहित मित्तल, रमेश मंगल, विनोद गोयल, पार्षद नीरज गोयल, अतुल जैन, विनय सिंघल, शशिकांत भारद्वाज, विकास गुप्ता,सुरेंद्र महाशय, राघवेंद्र शर्मा, दिनेश कुमार बब्बे, बीरो बाबा, ललित टायल, नंद किशोर शर्मा नंदू, आनंद गर्ग, शिवांग गर्ग, विजय बाबू मेदी सहित सम्मानीय सदस्य उपस्थित रहे।

घरेलू एलपीजी सिलिंडर में फिर लगी 'आग'!

रसोई गैस में 29 रुपये की बढ़ोतरी, दिल्ली में 942 रुपए, पटना में 1040 रुपए का मिलेगा

हाय महंगाई!

होटल-रेस्टोरेंट के लिए कॉमर्शियल सिलेंडर 3,113.50 रुपए का हुआ

नई दिल्ली। आम उपभोक्ताओं को महंगाई का एक और झटका देते हुए सरकार ने घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) सिलिंडर की कीमतों में 29 रुपये की बढ़ोतरी कर दी है। नई दरों के अनुसार, दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाला घरेलू एलपीजी सिलिंडर अब 913 रुपये के बजाय 942 रुपये में मिलेगा। संशोधित कीमतें तत्काल प्रभाव से लागू हो गई हैं। यह पिछले तीन महीनों में घरेलू गैस की दूसरी मूल्य वृद्धि है। इससे पहले सात मार्च को सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलिंडर के दाम 60 रुपये बढ़ाए थे। लगातार दूसरी बढ़ोतरी से घरेलू उपभोक्ताओं के मासिक बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

वैश्विक ऊर्जा बाजार में उथल-पुथल : उद्योग सूत्रों के मुताबिक, पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक ऊर्जा बाजार में उथल-पुथल के कारण एलपीजी की लागत में लगातार वृद्धि हुई है। अमेरिका-ईरान तनाव और क्षेत्र में समुद्री आपूर्ति मार्गों पर बढ़ते जोखिमों ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊर्जा कीमतों को ऊंचा बनाए रखा है। इसी का असर घरेलू बाजार पर भी पड़ रहा है।

सरकारी कंपनियों को उठाना पड़ रहा भारी नुकसान : सूत्रों का कहना है कि मार्च में कीमत बढ़ाए जाने के बावजूद सरकारी तेल विपणन कंपनियों को घरेलू एलपीजी की बिक्री पर भारी नुकसान उठाना पड़ रहा था। ताजा संशोधन से पहले कंपनियों को प्रत्येक घरेलू सिलिंडर पर लगभग 703 रुपये का घाटा हो रहा था। ऐसे में बढ़ती लागत का कुछ बोझ उपभोक्ताओं पर डालना जरूरी माना गया। एलपीजी कीमतों में यह बढ़ोतरी ऐसे समय हुई है जब अन्य ईंधनों के दाम भी बढ़े हैं। मई के मध्य से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कुल मिलाकर करीब 7.50 रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि हो चुकी है, जबकि सीएनजी के दाम भी लगभग 6 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ाए गए हैं।

उद्योग से जुड़े सूत्रों के अनुसार, हालिया मूल्य संशोधनों के बावजूद सरकारी तेल कंपनियां पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर दबाव झेल रही हैं। अनुमान है कि कंपनियों को पेट्रोल पर करीब 11 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 33.6 रुपये प्रति लीटर तक का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

होटल और बिजनेस में इस्तेमाल होने वाले कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमतें हर महीने अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क के आधार पर खुद-ब-खुद बदलती हैं। पश्चिम एशिया संकट के दौरान 5 बार दाम बढ़ने के बाद दिल्ली में 19 किलोग्राम का कॉमर्शियल सिलेंडर 3,113.50 रुपए (करीब 164 रुपए प्रति किलोग्राम) पर बिक रहा है। इसकी तुलना में घरेलू उपभोक्ता केवल 66 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से भुगतान कर रहे हैं।

पश्चिम एशिया तनाव से सऊदी एलपीजी बेंचमार्क 46% महंगा हुआ

भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का 60% हिस्सा आयात करता है। इसकी लैंडेड कॉस्ट सऊदी कॉन्ट्रैक्ट प्राइस (सीपी) से तय होती है, जिसे सऊदी अरामको हर महीने की शुरूआत में फिक्स करती है। पश्चिम एशिया में आए व्यवधान और फरवरी के अंत में होर्मुज स्ट्रेट बंद होने के बाद गैस की कीमतों में भारी उछाल आया है। फरवरी में जो सऊदी सीपी बेंचमार्क 542.50 डॉलर प्रति टन पर था, वह अप्रैल में बढ़कर 775 डॉलर हो गया।

महंगे रसोई गैस सिलिंडर पर सियासी संग्राम जारी

शरद पवार बोले- सरकार को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी

विरोध

कांग्रेस नेताओं ने भी भाजपा पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया

मुंबई। देश में घरेलू एलपीजी सिलिंडर की कीमतों में फिर बढ़ोतरी के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। रसोई गैस सिलिंडर के दाम 29 रुपये बढ़ने के बाद विपक्ष ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने कहा है कि लगातार बढ़ती महंगाई और गैस की कीमतों का राजनीतिक कीमत सरकार को चुकाना पड़ेगा। वहीं कांग्रेस नेताओं ने भी भाजपा पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। कोल्हापुर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए शरद पवार ने कहा कि प्रधानमंत्री लगातार महंगाई नियंत्रण की बात करते हैं, लेकिन आम लोगों को हर कुछ दिनों में नए झटके दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी की रसोई का बजट पूरी तरह बिगड़ गया है।

घरेलू गैस सिलिंडर बढ़ोतरी पर हमलावर हुए अखिलेश यादव

हमला

'एक्स' पर अखिलेश ने लिखा, 'रोटी के महंगे होने से थाली गई रूठ, भाजपा से अब तो, हर आस गई टूट।'

लखनऊ। एलपीजी गैस सिलिंडर की कीमत में बढ़ोतरी के बाद विपक्ष एक बार फिर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमलावर है। इसीक्रम में समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस पार्टी ने सरकार को घेरा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शायराना अंदाज में सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'रोटी के महंगे होने से थाली गई रूठ, भाजपा से अब तो, हर आस गई टूट।' इससे पहले, कांग्रेस पार्टी ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल से पोस्ट किया, 'महंगाई मैन मोदी' का चाबुक फिर चला है।

वाराणसी में अब शहर से बाहर होंगी मांस-मछली की दुकानें

नगर निगम सदन की बैठक में हुआ निर्णय

फैसला

काशी की धार्मिक महत्ता और श्रद्धालुओं की निरंतर बढ़ते आवागमन को देखते हुए लिया फैसला

वाराणसी। काशी की धार्मिक महत्ता और श्रद्धालुओं की निरंतर बढ़ते आवागमन को देखते हुए नगर निगम ने शहर भर में विभिन्न स्थलों पर खुली मीट, मुर्गा और मछली की दुकानों को अब शहरी सीमा से बाहर करने का निर्णय लिया है। इसके लिए प्रथम चरण में पांच स्थानों का चयन किया गया है।

शहर की सीमा के करीब रामनगर, सूजाबाद, गणेशपुर, अवलेशपुर और शिवपुर क्षेत्र में दुकानों को शिफ्ट किया जाएगा। महापौर अशोक कुमार तिवारी की अध्यक्षता में शनिवार को टाउनहाल भवन में हुई सदन की बैठक में यह निर्णय लिया गया। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने बताया कि मीट, मुर्गा और मछली की दुकानों को शहर से बाहर करने से आमजन को कोई असुविधा न हो, इसका ध्यान रखते हुए स्थान चिह्नित किए गए हैं।

पार्षद गुलशन अली ने कहा कि सावन माह में दुकानें बंद करने के आदेश से मीट व्यवसायियों का रोजगार प्रभावित होता है। इस पर नगर आयुक्त ने कहा कि इसका भी समाधान किया जाएगा। भाजपा पार्षद दल के उपनेता सुरेश कुमार चौरसिया ने जलकल परिसर में सेटलिंग टैंक की सफाई के दौरान निकाली गई करीब 40 हजार घन मीटर मिट्टी की बिक्री न होने पर चिंता जताई। इस पर महापौर ने जलकल के महाप्रबंधक अनूप सिंह को तुरंत मिट्टी की नीलामी प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया। उन्होंने सीएम ग्रिड्स योजना के तहत छह प्रमुख सड़कों के निर्माण कार्य को शर्तों के तहत पूरा कराने को कहा।

पार्षद अशोक कुमार मौर्य ने निगम की आय बढ़ाने के लिए फ्लैट्स को गृहकर के दायरे में लाने का सुझाव दिया। नगर आयुक्त ने बताया कि भेलूपुर में बनने वाले काशी इंटरप्रिटेशन सेंटर और कम्युनिटी पार्क के लिए जलकल के पुराने भवन को ध्वस्त नहीं किया जाएगा।

हिट या फ्लॉप: सोशल मीडिया की 'कॉकरोच जनता पार्टी' का जमीनी इम्तिहान

सीजेआई का अल्टीमेटम : शिक्षा मंत्री को हटाने के लिए दिया 7 दिन का समय

विरोध प्रदर्शन

जब युवा एकजुट हों तो 'कॉकरोच' क्या कर सकते हैं, सरकार देख ले... जंतर-मंतर पर गरजे अभिजीत दीपके

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी के प्रदर्शन को लेकर अब बहस तेज हो गई है। कोई इसे युवाओं की नई आवाज बता रहा है तो कोई इसे सोशल मीडिया का असर कह रहा है। इस बीच सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने दावा किया है कि जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन ने सरकार को ट्रेलर दिखा दिया है कि अगर युवा एकजुट हो जाएं तो बड़ा आंदोलन खड़ा हो सकता है। दीपके ने कहा कि यह सिर्फ शुरूआत है और अगर सात दिन के भीतर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान नहीं हटाए गए तो आंदोलन और बड़ा होगा।

ये प्रदर्शन अब सिर्फ सोशल मीडिया या छात्र आंदोलन तक सीमित नहीं रहा। इस आंदोलन को लेकर अंतरराष्ट्रीय मीडिया से लेकर देश की बड़ी राजनीतिक पार्टियों तक की प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी हैं। बेरोजगारी, परीक्षा घोटालों और युवाओं की नाराजगी को लेकर शुरू

सीजेपी संस्थापक अभिजीत दिपके के घर की सुरक्षा बढ़ी, पुलिस बल तैनात

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में 'कॉकरोच जनता पार्टी' के संस्थापक अभिजीत दिपके के घर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस ने रविवार को उनके आवास पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए। दिपके शनिवार को ही अमेरिका से भारत लौटे हैं। दिल्ली पहुंचने के बाद उन्होंने जंतर-मंतर पर एक विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया था। अभिजीत दिपके और उनकी पार्टी नीट, सीबीएसई, सीयूईटी और एसएससी जैसी परीक्षाओं में हुई गड़बड़ियों के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने इन अनियमितताओं की जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की है।

रिहायशी इमारत में लगी आग, एक बच्चे समेत चार लोग झुलसे

मुंबई। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में एक रिहायशी इमारत में आग लगने से चार लोग घायल हो गए। यह हादसा शनिवार शाम को घनसोली इलाके के सेक्टर 21 में स्थित कुबेर अपार्टमेंट में हुआ। नवी मुंबई नगर निगम के आपदा प्रबंधन सेल को रात करीब 8:51 बजे इस घटना की जानकारी मिली। आग की सूचना मिलते ही ऐरोली, कोपरखैरने और वाशी से दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने इमारत में फंसे 10 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घायलों में एक बच्चा भी शामिल है। इन लोगों को शरीर जलने और सांस लेने में तकलीफ होने के कारण अस्पताल ले जाया गया। तीन घायलों का इलाज कोपरखैरने के बेसिल अस्पताल में चल रहा है। दमकल विभाग ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल अधिकारी आग लगने की असली वजह का पता लगा रहे हैं।

उगाही के आरोप में टीएमसी पार्षद गिरफ्तार

अ

ममता बनर्जी की पार्टी के अब तक 6 नेताओं पर कार्रवाई

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में मिली निराशाजनक हार के बाद से तृणमूल कांग्रेस लगातार गहरे संकट का सामना कर रही है। राज्यभर में पार्टी नेताओं के खिलाफ आम लोगों का गुस्सा फूट रहा है और कई नेता बागी रुख अख्तियार कर चुके हैं। इस राजनीतिक उथल-पुथल के बीच पुलिस और प्रशासन भी टीएमसी नेताओं पर सख्त कार्रवाई कर रहा है। इसी सिलसिले में शनिवार रात कोलकाता में एक बड़ा एक्शन देखने को मिला। कोलकाता नगर निगम के वार्ड नंबर 101 से टीएमसी पार्षद बप्पादित्य दासगुप्ता को जबरन वसूली के एक मामले में गिरफ्तार किया गया है। पाटुली थाना पुलिस ने पहले उन्हें शनिवार को पूछताछ के लिए तलब किया था और उसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया। बप्पादित्य का राजनीतिक सफर दल-बदल वाला रहा है। टीएमसी का दामन थामने से पहले वे बीजेपी का हिस्सा हुआ करते थे। साल 2015 के निकाय चुनावों में उन्होंने वार्ड नंबर 110 से जीत दर्ज की थी। इसके अलावा, उन पर 2021 के चुनाव बाद राज्य में हुई हिंसा में भी शामिल होने के आरोप लग चुके हैं।

किसानों के विरोध का असर, गढ़चिरौली हवाई अड्डे और औद्योगिक परियोजनाओं के लिए जमीन अधिग्रहण रुका

विरोध

यह कदम 3000 से ज्यादा किसानों के जोरदार विरोध प्रदर्शन के बाद उठाया गया

मुंबई। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में प्रस्तावित हवाई अड्डे और औद्योगिक क्षेत्र के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। यह कदम 3000 से ज्यादा किसानों के जोरदार विरोध प्रदर्शन के बाद उठाया गया है। इन किसानों ने पिछले कुछ दिनों से जिला कलेक्ट्रेट पर धरना दिया था। किसानों का कहना है कि हवाई अड्डे और चामोर्शी में औद्योगिक परियोजनाओं के लिए उनकी उपजाऊ जमीन ली जा रही है।

राज्य सरकार ने हवाई अड्डे के लिए लगभग 104 करोड़ रुपये की प्रशासनिक और वित्तीय मंजूरी दी थी। इस योजना के तहत 311.81 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण होना था। इसमें सरकारी, निजी और वन विभाग की जमीन शामिल है। यह जमीन शिरापुर चक, गुरुवाला, हीरापुर और राखी गांवों से ली जानी थी। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता अमोल मरकवार ने कहा कि जमीन मालिकों की सहमति के बिना अधिग्रहण के आदेश जारी करना अन्यायपूर्ण है।

प्याज खरीद के नियमों में ढील से किसान नाखुश

मुंबई। महाराष्ट्र के प्याज किसानों ने केंद्र सरकार के नए नियमों का स्वागत तो किया है, लेकिन वे पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं। केंद्र सरकार ने प्याज की खरीद के लिए आकार और गुणवत्ता के नियमों में ढील दी है। अब 35 से 70 मिलीमीटर तक के प्याज खरीदे जा सकेंगे। पहले यह सीमा 45 से 65 मिलीमीटर थी। इसके अलावा रंग में बदलाव और मामूली दाग वाले प्याज को भी अब सरकारी एजेंसियां स्वीकार करेंगी।

किसान नेताओं का कहना है कि असली समस्या नियमों की नहीं, बल्कि कम कीमत की है। नाफेड और एनसीसीएफ जैसी एजेंसियां करीब 1580 रुपये प्रति क्विंटल की दर से प्याज खरीद रही हैं। किसानों के मुताबिक, प्याज उगाने की औसत लागत ही 1800 रुपये प्रति क्विंटल आती है। ऐसे में किसान 3000 रुपये प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि लागत से कम दाम पर प्याज बेचना उन्हें कर्ज में डुबो रहा है।

खान सर का कोचिंग सेंटर हो सकता है सील? नियमों की अनदेखी पर सख्ती

कोचिंग विवाद

खान सर अपने कोचिंग संस्थान में फायर सेफ्टी नियमों को लेकर सवालों के घेरे में आ गए हैं

पटना। कोचिंग विवाद के बीच अब खान सर अपने कोचिंग संस्थान खान ग्लोबल स्टडीज में फायर सेफ्टी नियमों को लेकर सवालों के घेरे में आ गए हैं। फायर सर्विस के मनोज कुमार नट ने बताया कि पूर्व में खान सर के कोचिंग सेंटर में एसडीओ के साथ मिलकर जांच की गई थी। उस दौरान भी ऑडिट में कई सारी लापरवाही पाई गई थी। इसको लेकर 2 मार्च को उन्हें नोटिस जारी किया गया था। अगर नोटिस के बाद भी मानकों को पूरा नहीं किया गया तो आगे की कार्रवाई की जाएगी। इसमें सीलिंग की कार्रवाई भी शामिल है। शनिवार को अग्निशमन विभाग के डीआईजी मनोज कुमार नट ने कहा कि फिलहाल अस्पतालों और होटलों की जांच का अभियान चल रहा है। इसके बाद कोचिंग संस्थानों की दोबारा जांच की जाएगी। जिन संस्थानों ने नोटिस मिलने के बावजूद अग्नि सुरक्षा मानकों और आवश्यक नियमों का पालन नहीं किया होगा, उनके खिलाफ सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी। शनिवार को पत्रकारों ने खान सर की कोचिंग में लापरवाही से जुड़े सवाल पूछे थे, जिस पर डीआईजी ने यह प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि 2 मार्च को अग्निशमन विभाग ने 150 से अधिक कोचिंग, हॉस्टल और लॉज की जांच कर विभिन्न कमियों को लेकर नोटिस थमाया था।

सस्पेंस और ड्रामा : बरेली में निकाह बना 'रणक्षेत्र'

बड़ी बहन जेवर लेकर फरार, बैठा दी छोटी बहन

उसका भी निकला प्रेम प्रसंग, फिर जमकर हुआ बवाल

हंगामा

दुल्हन की छोटी बहन का आशिक भी बरातघर पहुंच गया, इसके बाद दोनों पक्षों में मारपीट हो गई।

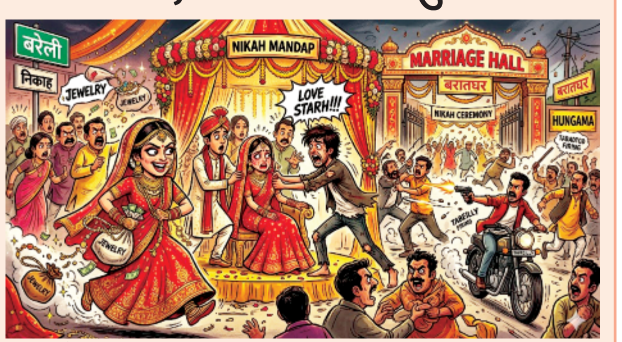

बरेली। बरेली के बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र के एक बरातघर में शनिवार को शादी समारोह के दौरान जमकर हंगामा हुआ। शादी से पहले दुल्हन अपने प्रेमी के साथ भाग गई। इसकी जानकारी जब दूल्हे पक्ष को हुई तो बवाल हो गया। शादी समारोह में मारपीट और फायरिंग भी हुई, जिसमें कुछ लोग घायल हो गए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

शाहजहांपुर बरेली मार्ग पर स्थित बरातघर में शनिवार को शादी होनी थी। दूल्हा बरात लेकर तय समय पर वहां पहुंच गया। दुल्हन के परिवार के सदस्य भी वहां मौजूद थे। निकाह का वक्त आया तो दूल्हा और उसके परिवार वाले दुल्हन का इंतजार कर रहे थे। पता चला कि दुल्हन शुक्रवार रात को ही शादी के जेवर लेकर अपने आशिक के साथ फरार हो चुकी थी।

परिवार ने दुल्हन की छोटी बेटी को शादी के लिए राजी किया। उन्होंने उसे दूल्हे के सामने बैठा दिया। दूल्हे ने दूसरी युवती से शादी करने का विरोध किया। इसी बीच दुल्हन की छोटी बहन का आशिक भी बरातघर पहुंच गया। उसने शादी का विरोध किया, जिसके बाद दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। इसके बाद दोनों पक्षों में मारपीट हो गई।

ऐसे शुरू हुआ विवाद : दुल्हन शादी से एक रात पहले अपने प्रेमी के साथ घर से भाग गई थी। वह अपने साथ शादी के जेवर भी ले गई थी। दुल्हन के परिवार ने स्थिति संभालने के लिए उसकी छोटी बहन को शादी के लिए तैयार किया। दूल्हे ने इसका कड़ा विरोध किया।

मालवीय नगर अग्निकांड में रसोइये की लापवाही से हुई 21 मौतें!

नई दिल्ली। दिल्ली के मालवीय नगर के हौजरानी में स्थित फ्लारिस स्टे होटल में हुए अग्निकांड में दिल्ली पुलिस ने होटल के रसोइये केशव नेगी (65) को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आग लगने के कारणों, सुरक्षा मानकों में हुई कथित लापरवाही और घटना के समय गेस्ट हाउस के संचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं को लेकर आरोपी से पूछताछ की जा रही है। इस होटल में भीषण आग लगने से 21 लोगों की मौत हो गई थी। होटल मालिक के बाद इस अग्निकांड में यह दूसरी गिरफ्तारी है। पुलिस कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया है। दक्षिण जिला पुलिस अधिकारियों ने आशंका जताई है कि रसोइये की लापरवाही आग लगने की एक वजह हो सकती है। उन्होंने बताया कि होटल से जुड़े कई अन्य लोगों को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। यह कार्रवाई मालवीय नगर के हौज रानी इलाके स्थित फ्लरिश स्टे बेड एंड ब्रेकफास्ट (बी एंड बी) होटल में लगी आग की जांच के तहत की जा रही है।

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
03 ● नई दिल्ली। सोमवार 08 जून -2026 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

करंट क्राइम — ट्वीट का करंट

Paramjeet Singh
2h ·
"खामोशी में भी एक अलग बात है,
यही तो हमारे अंदाज़ की पहचान है।"

जब नामित को मोहल्ले में देखकर निर्वाचित हो गया हैरान आप यहां आए किसलिए, नामित बोला- मोहल्ले वालों ने बुलाया

मामला शहर के एक वार्ड से है और यहां नामित वाले अगर मौके पर नहीं पहुंचते तो निर्वाचित को पता ही नहीं चलता कि लेटर वो लिखवाकर लाया है और फूल माला नामित ने पहन ली।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। जब से नगर निगम के कुनबे में दस नामित पार्षदों की एंट्री हुई तब से विकास की आंधी आ गई। दस एक तरफ और सौ एक तरफ वाला सीन चल रहा है। रोचक बात ये है कि नामित वाले कभी तो उसी मोहल्ले में हलचल मचा रहे हैं जहां जनता ने पहले से फूल खिलाया हुआ है और अब तो कमला ये हो गया है कि विकास का काम कराने वो इस इलाके से उस इलाके तक जा रहे हैं।

मामला शहर के एक वार्ड से है और यहां नामित वाले अगर मौके पर नहीं पहुंचते तो निर्वाचित को पता ही नहीं चलता कि लेटर वो लिखवाकर लाया है और फूल माला नामित ने पहन ली। नामित वालों ने बाकायदा ये भी बता दिया कि सीवर का काम था, फलाने मोहल्ले में था, मेरे भाई के दोस्त ने कहा, मैंने अधिकारियों से कहा, संपर्क किया और दो दिन में काम हो गया। यहां तक तो कहानी ठीक थी मगर, मामला उस समय रोचक मोड़ ले गया जब सीवर वालों ने निर्वाचित पार्षद को फोन कर दिया। निर्वाचित पार्षद वार्ड की समस्याओं को लेकर पूरी तरह एक्टिव रहते हैं।

पता चला कि नामित से पहले निर्वाचित लेटर लिख चुके थे। दरअसल मोहल्ले में किताब वालों के यहां शोक का कार्यक्रम था। सीवर लाइन की परेशानी थी, किताब वालों ने निर्वाचित पार्षद से कहा, निर्वाचित पार्षद क्रांतिकारी पार्षद हैं और सिस्टम को जानते हैं। जनसमस्याओं का समाधान करते हैं, खुद मौके पर पहुंचते हैं। लिहाजा उन्होंने अधिकारी को तुरंत लेटर लिखा, फोन किया और उनके फोन के बाद काम करने के लिये टीम पहुंच गई। टीम ने काम कर दिया और फिर उन्होंने निर्वाचित पार्षद को फोन कर बताया कि आपके लेटर के बाद ये काम हो गया है। आप मौके पर आकर देख लें। चूंकि निर्वाचित पार्षद ने अधिकारियों को पत्र लिखा था तो टीम चाहती थी कि पार्षद मौके पर आएं और एक बार देख लें।

निर्वाचित पार्षद मौके पर पहुंच गए वो अभी यह सब देख रहे थे तभी अचानक वो हैरान रह गये जब स्कूटी पर उन्होंने दूसरे से भी तीसरे मोहल्ले के नामित पार्षद को आते देखा। अब उन्होंने नामित पार्षद से पब्लिक के बीच ही पूछा लिया कि आप यहां आए किसलिये। नामित पार्षद ने कहा, ये काम कराया है इसलिये। निर्वाचित पार्षद ने कहा, अगर काम आपके कहने पर हुआ तो लेटर भी दिखाईये। बस लेटर वाले सवाल पर ही नामित वाले खेल गये और अगल-बगल झांकने लगे। लेटर लिखा हो तो दिखाएं, सिस्टम की एबीसी पता हो तो बताएं, अब निर्वाचित भी हैरान और उन्होंने भी पता लगाया तो सीवर से जुड़ा चुनावी कनेक्शन सामने आ गया। जिन नामित को वो उम्रदराज समझ रहे थे वो नामित तो चतुर सुजान निकले हैं।

पता चला कि उन्होंने रिफ्यूजी क्वाटर से लेकर गुरुद्वारे वाले मोहल्ले तक अपनी बिरादरी के वोटर जोड़ लिये हैं। वो यहां से चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं और अब उनकी उछलकूद शुरू हो गई है। निर्वाचित वाले भी कम नहीं है और उन्होंने भी सरदार जी के हाथ में लिस्ट थमा दी है। जिसमें सीवर लाइन से लेकर वाटर पंप के काम हैं। फिलहाल नामित वालों की इस भागदौड़ से निर्वाचित वाले कहीं हैरान हैं तो कहीं परेशान हैं।

जब प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह गाजियाबाद आए तब तीन विधायक क्यों नजर नहीं आए

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा में कामकाज की एक परिपाटी है और यहां सम्मान और प्रोटोकॉल भी बड़े शब्द हैं। प्रभारी मंत्रियों का क्षेत्र बदला गया है और प्रभारी वाली जिम्मेदारी में फेरबदल हुआ है। गाजियाबाद के प्रभारी मंत्री असीम अरुण को दूसरे जनपद की जिम्मेदारी दी गई है, दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह को गाजियाबाद का प्रभार सौंपा गया है। जिले का प्रभारी मंत्री बनाया जाना एक जिम्मेदारी है, ये भाजपा सरकार के काम करने की एक शैली है, परिपाटी है। खास बात ये भी है कि जब भाजपा के कोई मंत्री या अन्य संगठन पदाधिकारी नई जिम्मेदारी मिलने पर गाजियाबाद आते हैं तो उनके स्वागत की एक परंपरा है। एक प्रोटोकॉल ये भी है कि प्रभारी मंत्री से जिले के जनप्रतिनिधि शिष्टाचार मुलाकात करेंगे।

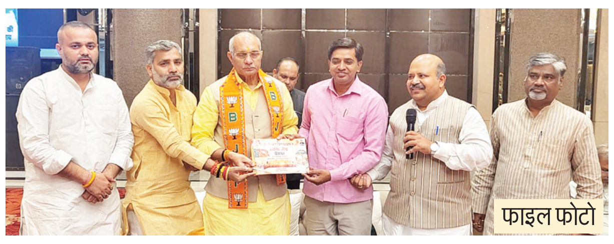
फाइल फोटो

एक औपचारिक परिचय होता है और इसके साथ संवाद कार्यक्रम शुरू होता है। गाजियाबाद के प्रभारी मंत्री बनाए जाने के बाद धर्मपाल सिंह जब गाजियाबाद आए तो यहां तीन विधायक नजर ही नहीं आये। इसके अलग भाजपा संगठन ने स्वागत कार्यक्रम पर पूरा जोर दिया। प्रभारी मंत्री ने जब अधिकारियों के साथ बैठक ली तो उस बैठक में संगठन पदाधिकारी रहे, प्रभारी मंत्री का संगठन की ओर से जोरदार स्वागत किया गया। भाजपा संगठन वाली बैठक में प्रभारी मंत्री का स्वागत हुआ और आगमन से लेकर रेलवे स्टेशन तक सीऑफ वाले कार्यक्रम में संगठन तो नजर आया, लेकिन तीन विधायक नजर नहीं आए। विधायक क्यों नहीं आए, क्या वो प्रभारी मंत्री के कार्यक्रम से खुद को दूर रख रहे थे, क्या कोई अन्य कारण था, ये चर्चा स्वाभाविक है क्योंकि जिले के प्रभारी मंत्री का आना और विधायकों का नजर ना आना एक बड़ी बात है।

दैनिक करंट क्राइम ने इस नजर ना आने का सवाल का पूरा हाल लिया। तो पता चला कि यह केवल एक संयोग हो गया और संयोग ऐसा हुआ कि जब प्रभारी मंत्री आये तो विधायक ही नजर नहीं आये। पता चला कि साहिबाबाद विधायक सुनील शर्मा लखनऊ में थे। सुनील शर्मा सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं और जिस दिन प्रभारी मंत्री आये उस दिन सुनील शर्मा कैबिनेट मंत्री के रूप में कैबिनेट वाली बैठक में लखनऊ में थे। मुरादनगर विधायक अजीतपाल त्यागी की लोकेशन भी लखनऊ की थी और शहर विधायक संजीव शर्मा पहले से ही द्वारिकाधीश में डेरा डाले हुए थे। वो कथा का आयोजन करा रहे थे। अब ये इत्तेफाक हो गया और संयोग ऐसा बन गया कि तीनों विधायकों की लोकेशन गाजियाबाद की नहीं थी।

दहेज के लिए पति और देवर ने की महिला की हत्या

मुरादनगर, करंट क्राइम। नगर की सूर्या कालोनी में संदिग्ध हालात में गायब हुई महिला की उसके पति व देवर ने हत्या कर शव को गांव ले जाकर बिटौडे में बंद करके जला दिया था। मृतका के भाई की शिकायत पर पुलिस ने पति समेत तीन लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज करा ली है। एसीपी का कहना है कि आरोपितों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। मुजफ्फरनगर जिले के जानसाठ गांव के रहने वाले संदीप कुमार के अनुसार उसकी बहन सोनिया का विवाह सात वर्ष पहले मुरादनगर की सूर्या कालोनी के रहने वाले युवक के साथ हुआ था।

विवाह के बाद से ही दहेज में कार न मिलने के मुद्दे पर उनका जीजा व परिवार के सभी लोग उनकी बहन के साथ मारपीट और दुर्व्यवहार करते आ रहे हैं। इस बात को लेकर वह पहले भी आरोपितों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा चुके हैं। करीब 15 दिनों से युवक की बहन से बात नहीं हो रही है। संदेह होने पर वह युवक के जून को मुरादनगर आया तो उसकी बहन ससुराल में नहीं मिली।

फूल वालों के मंडल में पेड़ को लेकर घमासान, पेड़ उगाने को लेकर हो गये दो प्रोग्राम

अब मंडल वाले बता रहे हैं कि पेड़ तो लग गये लेकिन विवाद की जड़ें भी धीरे-धीरे गहरी होगी। फिलहाल दो पेड़ों का किस्सा मंडल वालों में गूंज रहा है।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। राजनीति में क्रेडिट का बड़ा रोल होता है। राजनीति में किसी कार्यक्रम का संयोजक होना भी एक अहम बात होती है। किस्सा नदिया पार के एक मंडल से जुड़ा है। किस्से में फोन ना उठाने की कहानी है, किस्से में जूनियर को सीनियर वाला पद देने की कहानी है। सूत्र बताते हैं कि नदिया पार के एक मंडल में पेड़ लगाने का कार्यक्रम होना था। महानगर टीम के एक पदाधिकारी ने मंडल अध्यक्ष को फोन किया। क्योंकि पेड़ वाले कार्यक्रम का संयोजक मंडल अध्यक्ष को बनाया जाना था। बताते हैं कि महानगर वालों का फोन मंडल अध्यक्ष किसी कारणवश नहीं उठा सके। अब तत्काल ही महानगर वाले पदाधिकारी ने मंडल के उपाध्यक्ष को फोन मिला दिया। मंडल उपाध्यक्ष ने फोन उठा लिया और महानग वालों ने तुरंत ही मंडल उपाध्यक्ष को पेड़ वाले कार्यक्रम का संयोजक बना दिया।

लिस्ट जारी हो गई और कहानी में ट्विस्ट तब आया तब मंडल अध्यक्ष को ये पता चला कि उनके जूनियर उपाध्यक्ष को उनके स्थान पर संयोजक बना दिया गया है। सूत्र बताते हैं कि मंडल अध्यक्ष ने तुरंत ही उपाध्यक्ष को फोन मिलाया और उन्हें समझाया कि तुम सहसंयोजक बनो और मैं संयोजक बनूंगा। तकरार की कहानी जब शुरू हुई जब मंडल उपाध्यक्ष ने सहसंयोजक बनने से इनकार कर दिया। अब मंडल अध्यक्ष के सामने प्रतिष्ठा का प्रश्न हो गया और उन्होंने तुरंत ही दो कार्यक्रम तैयार कर दिये। एक कार्यक्रम इस विहार में और दूसरा कार्यक्रम उस नगर में रख दिया। दो पेड़ आ गये, अब जब मंडल अध्यक्ष को ये पता चला तो उन्होंने चीफ गेस्ट ही चेंज कर दिया। उपाध्यक्ष तो महानगर वाले पदाधिकारी पर फोकस करते रहे और और मंडल वाले अध्यक्ष ने महानगर वाले पदाधिकारी की बिरादरी के पूर्व विधायक को चीफ गेस्ट बना लिया, लेकिन यहां पर एक समझदारी हुई कि दोनों ही पेड़ों को लगा दिया गया और मंडल अध्यक्ष ने अपनी टीम के साथ पेड़ लगा दिया। अब मंडल वाले बता रहे हैं कि पेड़ तो लग गये लेकिन विवाद की जड़ें भी धीरे-धीरे गहरी होगी। फिलहाल दो पेड़ों का किस्सा मंडल वालों में गूंज रहा है।

डोसे में निकला कीड़ा, युवक की तबीयत बिगड़ी

वीडियो वायरल होने पर खाद्य विभाग ने शुरू की जांच

गाजियाबाद, करंट क्राइम। खोड़ा इलाके के एक रेस्टोरेंट में डोसे में कीड़ा मिलने का गंभीर मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग हरकत में आ गया है और रेस्टोरेंट से सैंपल लेकर जांच शुरू कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता अनुराग कटियार ने बताया कि उन्होंने 4 जून को खोड़ा स्थित श्री जी श्याम डेयरी रेस्टोरेंट से डोसा खरीदा था। घर पहुंचकर जब उन्होंने डोसा खाना शुरू किया तो उसमें एक छोटा कीड़ा रेंगता हुआ दिखाई दिया। उन्होंने इसका वीडियो भी बना लिया। अनुराग कटियार का आरोप है कि दूषित डोसा खाने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई और उन्हें उल्टी तथा दस्त की शिकायत हुई, जिसके बाद उन्हें इलाज कराना पड़ा। उनके अनुसार मेडिकल रिपोर्ट उनके पास मौजूद है।

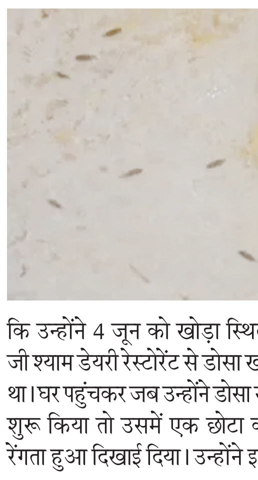

घटना के बाद उन्होंने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग में शिकायत दर्ज कराई और जिलाधिकारी को पत्र लिखकर रेस्टोरेंट के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। शिकायत में यह भी कहा गया है कि जांच पूरी होने तक रेस्टोरेंट का संचालन अस्थायी रूप से बंद किया जाए।

क्यों खामोश हैं सुरेंद्र कुमार मुन्नी? 2027 से पहले समर्थकों को फैसले का इंतजार

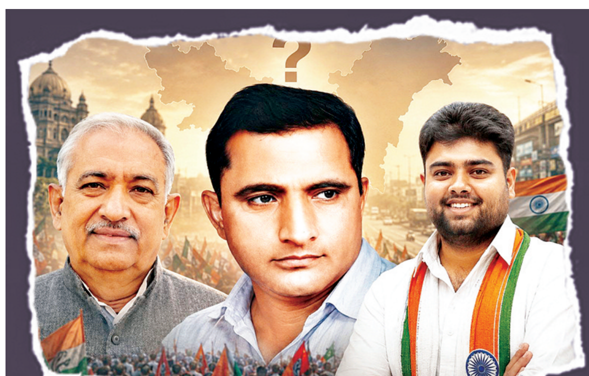

समाजवादी पार्टी के पूर्व ज़िला अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार मुन्नी की राजनीतिक चुप्पी उनके समर्थकों के बीच सवाल खड़े कर रही है। जैसे-जैसे 2027 का विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे यह चर्चा भी तेज हो रही है कि आखिर मुन्नी की अगली राजनीतिक पारी किस दिशा में जाएगी।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद की राजनीति में इन दिनों एक नाम लगातार चर्चा में है, लेकिन किसी बयान या राजनीतिक गतिविधि के कारण नहीं, बल्कि अपनी खामोशी की वजह से। कई बार विधायक रहे और समाजवादी पार्टी के पूर्व ज़िला अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार मुन्नी की राजनीतिक चुप्पी उनके समर्थकों के बीच सवाल खड़े कर रही है। जैसे-जैसे 2027 का विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे यह चर्चा भी तेज हो रही है कि आखिर मुन्नी की अगली राजनीतिक पारी किस दिशा में जाएगी। सुरेंद्र कुमार मुन्नी लंबे समय तक क्षेत्रीय राजनीति के प्रभावशाली चेहरों में गिने जाते रहे हैं। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने राष्ट्रीय लोकदल के टिकट पर समाजवादी पार्टी के गठबंधन प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा था। चुनावी परिणाम उनके पक्ष में नहीं आया, लेकिन उन्होंने मजबूत मुकाबला पेश कर अपनी राजनीतिक पकड़ का एहसास कराया था।

इसके बाद प्रदेश की राजनीति में बड़ा बदलाव हुआ। आरएलडी ने भाजपा के साथ गठबंधन कर लिया और इसके साथ ही मुन्नी की राजनीतिक स्थिति को लेकर असमंजस की स्थिति पैदा हो गई। वर्तमान में वह किसी राजनीतिक दल में सक्रिय भूमिका में दिखाई नहीं दे रहे हैं। यही कारण है कि उनके समर्थकों और राजनीतिक पर्यवेक्षकों के बीच लगातार यह सवाल उठ रहा है कि उनकी अगली मंजिल क्या होगी। 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गाजियाबाद रोड शो में अंबेडकर रोड पर उनकी मौजूदगी ने राजनीतिक चचाओं को नया मोड़ दिया था। उस समय उनके भाजपा में शामिल होने की अटकलें भी खूब चलीं, लेकिन समय बीतने के साथ ये चचाएं ठंडी पड़ गईं। न तो कोई औपचारिक घोषणा हुई और न ही मुन्नी ने सार्वजनिक रूप से अपनी राजनीतिक रणनीति स्पष्ट की।

जनाधार बरकरार, लेकिन समर्थकों में बढ़ रही बेचैनी

करंट क्राइम। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सुरेंद्र कुमार मुन्नी की सबसे बड़ी ताकत उनका जनसंपर्क और जनता के बीच उनकी स्वीकार्यता रही है। क्षेत्र में लोगों के सुख-दुख में शामिल होने की उनकी छवि आज भी मजबूत मानी जाती है। समर्थकों का दावा है कि जनता के बीच उनकी पकड़ और प्रभाव पहले जैसा ही है। लेकिन राजनीति का वर्तमान दौर तेजी से बदल रहा है। अब राजनीतिक सक्रियता, संगठनात्मक मजबूती और निरंतर संवाद को सफलता का आधार माना जाता है। ऐसे में लंबे समय तक बनी रहने वाली खामोशी समर्थकों को असहज कर रही है। कार्यकताओं का मानना है कि 2027 का चुनाव अब दूर नहीं है और उन्हें अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर जल्द कोई स्पष्ट संकेत देना चाहिए।

विरासत संभालने की चर्चा भी तेज

सुरेंद्र कुमार मुन्नी पूर्व विधायक शहीद प्यारे लाल शर्मा के पुत्र हैं। वह वर्षों से अपने पिता की जयंती और पुण्यतिथि के कार्यक्रम आयोजित करते आ रहे हैं और पारिवारिक राजनीतिक विरासत को जीवित रखे हुए हैं। लेकिन अब समर्थकों के बीच यह चर्चा भी जोर पकड़ रही है कि यदि मुन्नी स्वयं सक्रिय चुनावी राजनीति में वापसी नहीं करना चाहते, तो उन्हें अगली पीढ़ी को आगे बढ़ाने पर विचार करना चाहिए।

प्रशांत कौशिक को राजनीति में उतारने की मांग तेज

करंट क्राइम। पूर्व विधायक सुरेंद्र कुमार मुन्नी के समर्थकों के बीच यह चर्चा लगातार जोर पकड़ रही है कि यदि मुन्नी स्वयं 2027 के विधानसभा चुनाव में सक्रिय भूमिका नहीं निभाते हैं, तो उनके पुत्र प्रशांत कौशिक को राजनीतिक मैदान में उतारा जाना चाहिए। समर्थकों का मानना है कि प्रशांत कौशिक का व्यवहार बेहद मृदुभाषी और सरल है। उन्हें अपने दादा शहीद प्यारे लाल शर्मा और पिता सुरेंद्र कुमार मुन्नी से सामाजिक एवं राजनीतिक संस्कार विरासत में मिले हैं। कार्यकताओं का कहना है कि सही समय पर राजनीतिक जिम्मेदारी मिलने से प्रशांत कौशिक क्षेत्र में नई पीढ़ी के नेतृत्व के रूप में उभर सकते हैं। मुन्नी समर्थकों का मानना है कि चुनाव लड़ने का फैसला चाहे जो हो, लेकिन समय रहते लिए गए निर्णय से प्रशांत कौशिक की राजनीतिक जमीन मजबूत हो सकती है। फिलहाल समर्थकों को सुरेंद्र कुमार मुन्नी के साथ-साथ प्रशांत कौशिक की भावी भूमिका का भी इंतजार है।

राजनीति में समय सबसे बड़ी पूंजी

करंट क्राइम। गाजियाबाद की राजनीति में सुरेंद्र कुमार मुन्नी आज भी एक बड़े नाम के रूप में देखे जाते हैं। लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बदलते राजनीतिक दौर में केवल जनाधार ही पर्याप्त नहीं होता, समय पर लिया गया निर्णय भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। फिलहाल मुन्नी की खामोशी उनके समर्थकों के लिए सबसे बड़ा सवाल बनी हुई है। सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि वह 2027 के चुनाव से पहले अपनी राजनीतिक दिशा स्पष्ट करते हैं, किसी दल के साथ नई पारी शुरू करते हैं या फिर राजनीतिक विरासत को नई पीढ़ी के हाथों सौंपने का फैसला लेते हैं। गाजियाबाद की राजनीति को अब उनके अगले कदम का इंतजार है।

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि मैं बता रहा हूं आपको अपने दिल की बात? पहले वाले प्रभारी अगर 20 थे तो नए वाले प्रभारी 19 ही निकलेंगे साहब? हमें उनकी बॉडी लैंग्वेज को देखकर हो रहा है ऐसा ही एहसास? ना उन्होंने कुछ खास किया ना ये करेंगे कुछ खास? आप ही बताओ वो ये काम जो पहले वालों का हो, आपके जहन को याद?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि आप कैसी कर रहे हो बात? हमें याद है ककक.... को कैसे दिया था उन्होंने आशीर्वाद? किया था उनका और उनके मित्र का लाईसेंस वाला काम आसान? प्राधिकरण में भी उनके लिए बनाया था विशेष स्थान? किये थे उनके लिए बड़े अधिकारी को कई बार फोन? कोई बोले या ना बोले मगर ककक... नहीं कह सकते कि वो हमारे थे कौन?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि वो हैं दूसरे दल में? मगर सरदार जी तलाश रहे हैं भगवागढ़ में अपना वास्ता? पता चला है वो दीदी के आशीर्वाद के सहयोग और अपने चौधरी साहब के रास्ते खुलवाना चाहते हैं अल्संख्यक आयोग के सदस्य का रास्ता? कहने वाले ने कहा सरदार जी का किरदार वैसे भी राजनीति में है जोरदार? यूं तो उन्हें संगठन के कई पद मिले हैं? मगर नहीं आई है उन पर सरकारी कृपा की बहार? हो जाना चाहिए इस बार उनका काम? आखिर इतने के तो हैं वो भी हकदार?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हमारा भी हो जाता सीना चौड़ा? अगर युवाओं के आईडियल भैया आ जाते खोड़ा? हमें पता है उनके आने से पीड़ित परिवार को मिलता और बल? समस्या का निकल जाता और भी हल? एक झटके में शांत हो जाती कई आवाज? एक बार करें तो सही भैया आकर आगाज?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि नगर निगम में चल रहा है इन दिनों द्वंद्व? पता चला है जन्म-मृत्यु बनाने वाला सर्वर पिछले 15 दिनों से है बंद? कहने वाले ने कहा इस बंद ने संगठन के एक प्रमुख पदाधिकारी को किया हुआ है परेशान? अगर व्यवस्था नहीं सुधरी तो वो कर सकते हैं कोई ऐलान? जनता के जब भी काम होते हैं प्रभावित? तो वो हो जाते हैं बहुत ज्यादा परेशान?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हमने देखी भाजपा के पूर्व अध्यक्ष अजय शर्मा की नेता के बेटे वाली पोस्ट? इस पोस्ट को वो कर रहे थे रोस्ट? हम तो बस इससे आगे के जानना चाह रहे थे उनके दिल के हालात? वो स्थानीय स्तर पर इस मुद्दे को फोकस में रखेंगे? या फिर बड़े-बड़े नेताओं पर भी करेंगे वो बात? हमें पता है कि वो जब फ्रंट-फुट पर आते हैं तो खुलकर खेलते हैं यार? आज नहीं तो कल वो पूरी ईमानदारी और स्पष्टता से रखेंगे इस मुद्दे पर अपने विचार?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि बैठकर भगवागढ़ के अधिकारियों के बीच? दे दिया अग्रवाल जी ने बड़ा संदेश? ईशारों ही ईशारों में कह गये वो कि वेस्टर्न डिस्टर्ब हुआ तो फिर गिर सकता है यहां पर जाट फेस? उन्होंने कहा पार्टी आला कमान को कर लिया है एक नाम ने मोहित? सुना है इस नाम पर अब चल रहा है गंभीरता से विचार? घोषणा आज नहीं तो किसी भी जन्म में हो जाये? देखना आयेगा इन्हीं का नाम बाहर?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हमारे पास चल कर एक संदेश दिल्ली से आया है? कहने वाले ने कहा अग्रवाल जी ने दिल्ली के बड़े गोयल साहब के पास जाकर यहां वाले गोयल साहब का मामला होल्ड कराया है? सबको पता है इन अग्रवाल जी के दिल्ली वाले गोयल साहब से संबंध हैं खास? मगर उनको इस बात पर भी अलर्ट रहना होगा? जब भी वो भंवरे की तरह फूल को खिलाते हैं? उस फूल पर कोई तीसरा राज कुंवर कर देता है हाथ साफ?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हम बैठे थे संगठन के पदाधिकारियों के बीच? वे निकाल रहे थे अपने मुख से दर्द-ए-दिल की स्पीच? कह रहे थे हमें हमारे लीडर का जलवा अच्छा लगता है साहब? मगर हमने ये देखा है जब भी वो किसी बड़े चेहरे से मिलने कहीं पर जाते हैं तो फिर अपनी टीम के किसी चेहरे को नहीं ले जाते हैं साथ? अकेले अकेले वाला फोटो वो कर देते हैं अपडेट? कहने वाले ने कहा हम तो बस उनसे यही कहना चाहते हैं अगर टीम के सदस्यों को साथ रखेंगे तो उससे जायेगा एकजुटता का मजबूत संदेश? मुलाकात अगर साथ मिलकर करेंगे तो मजबूत होगा उनका बेस?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हमने पहले नहीं देखे थे ऐसे हालात कि संगठन वाले ही करते थे विधायकों की जिंदाबाद? मगर अब मौजूदा हालातों को देखकर हम हैं हैरान? संगठन के योजना बनाने वाले अधिकारी? सुनकर कर रहे हैं विधायकों का गुणगान? फेसबुक पर ऐसे ही एक पदाधिकारी लगा रहे थे विधायक की जिंदाबाद के नारे? उनके शब्दों को सुनकर महसूस हो रहा था कि विधायक जी की वजह से ही इस बार हुए हैं उनके वारे न्यारे?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

संपादकीय

सुरक्षा नियमों की हत्या

इतने लोगों के मारे जाने के बाद अब जो तथ्य उजागर हो रहे हैं, उससे यही साबित होता है कि इस हादसे की समूची भूमिका पहले से तैयार थी और इसमें इमारत के मालिक से लेकर सरकार के संबंधित महकमों के अधिकारियों की भी जिम्मेदारी थी। कोई हादसा एक मामूली कोताही का नतीजा हो सकता है, लेकिन अगर वह गलती बनी रहती है या उससे सबक लेकर भविष्य में सावधानी बरतने और बचाव के जरूरी इंतजाम नहीं किए जाते हैं, तो उन्हें आपराधिक लापरवाही से कम नहीं माना जा सकता। दिल्ली में मालवीय नगर के एक होटल में दो दिन पहले आग लगने से इक्कीस लोगों की जान चली गई। इसके अलावा, बिहार के मुजफ्फरपुर के एक अस्पताल के सघन चिकित्सा कक्ष सहित देश के अलग-अलग हिस्सों में कई जगहों पर रिहाइशी इमारतों में आग लगने की घटनाएं सामने आईं। जहां तक मालवीय नगर की घटना का सवाल है, तो यह संभव है कि वहां अचानक लगी आग पूरी इमारत में फैल गई। मगर इतने लोगों के मारे जाने के बाद अब जो तथ्य उजागर हो रहे हैं, उससे यही साबित होता है कि इस हादसे की समूची भूमिका पहले से तैयार थी और इसमें इमारत के मालिक से लेकर सरकार के संबंधित महकमों के अधिकारियों की भी जिम्मेदारी थी। सवाल है कि अगर होटल के पास दिल्ली अग्निशमन विभाग की ओर से जारी किया जाने वाला अग्नि सुरक्षा अनापत्ति प्रमाणपत्र नहीं था, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है। फिर छह कमरों के लाइसेंस पर अगर पच्चीस कमरे अवैध रूप से बनाकर कारोबार संचालित किया जा रहा था, तो यह किसकी अनदेखी से संभव हुआ? धोखाधड़ी करके इमारत के भूतल पर एक पूरी रेस्तरां चलाई जा रही थी, तो क्या यह कोई छिपी गतिविधि थी? जिस इमारत में अलग-अलग कारणों से हर समय खासी संख्या में लोगों के मौजूद होने की स्थिति थी, वहां आग लगने या अन्य किसी आपात स्थिति में बचने के लिए बाहर निकलने का रास्ता बाधित क्यों था? इलेक्ट्रॉनिक लॉक प्रणाली से जोखिम की आशंका होने के बावजूद मुख्य दरवाजे के खुलने-बंद होने की डिजिटल व्यवस्था की अनुमति किसने दी थी? सच यह है कि इमारत में जो हादसा सामने आया, वह सिर्फ कमाई की अदम्य भूख में सुरक्षा इंतजामों के अनिवार्य पहलू को लेकर एक आपराधिक लापरवाही और सरकार के संबंधित महकमों की ओर से की गई अफसोसनाक अनदेखी का नतीजा है।

दरअसल, नियमों को ताक पर रखकर चलाई जाने वाली व्यावसायिक गतिविधियों के केंद्र के संचालक तभी ऐसा कर पाते हैं, जब पुलिस या अनिवार्य व्यवस्थागत इंतजामों की समय-समय पर जांच और निगरानी करने वाले अधिकारी उन्हें अप्रत्यक्ष रूप से ऐसा करने की छूट देते हैं। इसके पीछे अवैध लेनदेन पर आधारित सांठगांठ हो सकती है। विडंबना यह है कि जो लोग इस तरह के भ्रष्टाचार में लिप्त होते हैं, उन्हें इस बात की शायद कोई फिक्र नहीं होती कि उनकी ऐसी हरकतों का अंजाम कितना त्रासद हो सकता है।

शेयर बाजार में गिरावट से टॉप-10 कंपनियों को बड़ा झटका

सात कंपनियों का मार्केट कैप 1.25 लाख करोड़ घटा

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह शेयर बाजार में गिरावट के चलते देश की टॉप-10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 1.25 लाख करोड़ रुपये घट गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे बड़ा नुकसान हुआ। वहीं एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई के मार्केट कैप में बढ़ोतरी दर्ज की गई।

पिछले सप्ताह शेयर बाजार में कमजोरी का असर देश की सबसे बड़ी कंपनियों पर भी देखने को मिला। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी में गिरावट के बीच देश की टॉप-10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से 7 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी दर्ज की गई। सबसे बड़ा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। सप्ताह के दौरान सेंसेक्स 532.40 अंक यानी 0.71 प्रतिशत और निफ्टी 181.05 अंक यानी 0.76 प्रतिशत गिर गया। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली बाजार पर दबाव का प्रमुख कारण रही। हालांकि कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और रुपये में सुधार जैसे सकारात्मक संकेत भी मिले, लेकिन मानसून की प्रगति को लेकर चिंताओं ने निवेशकों का भरोसा कमजोर किया।

बाजार में तीन कंपनियों ने हासिल की बढ़त

दूसरी ओर, तीन कंपनियों ने बाजार में बढ़त हासिल की। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 12,692 करोड़ रुपये बढ़कर 9.02 लाख करोड़ रुपये हो गया। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 4,484 करोड़ रुपये बढ़कर 9.05 लाख करोड़ रुपये और एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 4,101 करोड़ रुपये बढ़कर 11.50 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। सप्ताह के अंत में रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ सबसे ज्यादा नुकसान

सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ, जिसका बाजार पूंजीकरण 39,718 करोड़ रुपये घटकर 17.47 लाख करोड़ रुपये रह गया। इसके अलावा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 20,134 करोड़ रुपये कम होकर 7.95 लाख करोड़ रुपये रह गया। भारती एयरटेल को 18,736 करोड़ रुपये, लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) को 16,880 करोड़ रुपये और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को 14,610 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। वहीं बजाज फाइनेंस के बाजार मूल्य में 9,681 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मूल्यांकन में 5,909 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई।

घरेलू सराफा बाजार में थमा नहीं गिरावट का दौर

सोना और चांदी की घटी चमक.. एक सप्ताह में 4,690 रुपये तक सस्ता हुआ सोना

नई दिल्ली। घरेलू सराफा बाजार में रविवार को जबरदस्त गिरावट का रुख नजर आ रहा है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर हिस्सों में आज सोना 2,740 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,960 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। चेन्नई में सोने की कीमत में 2,490 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,740 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के बावजूद अभी भी चेन्नई में सोना सबसे महंगा बना हुआ है। सोना की तरह ही चांदी की कीमत में भी आज 9,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कमजोरी आ गई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोने की कीमत में 4,690 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट आ गई। इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 4,300 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। चांदी के भाव में भी पिछले सप्ताह के कारोबार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट के कारण चांदी पिछले सप्ताह के भाव की तुलना में 15 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ती हो गई।

देश के सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,52,760 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,40,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज 2,65,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

गौतम अदाणी फिर बने एशिया के सबसे अमीर इंसान

नेटवर्थ 89 अरब डॉलर के पार, मुकेश अंबानी को पीछे छोड़ाः फोर्ब्स

नई दिल्ली। अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी की संपत्ति बढ़कर 89.2 अरब डॉलर हो गई, जो उन्हें एशिया में सबसे अमीर व्यक्ति बनाती है। यह जानकारी फोर्ब्स की रियल-टाइम बिलेनियर्स लिस्ट में दी गई थी। अदाणी के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी 88 अरब डॉलर के साथ दूसरे और सॉफ्टबैंक के मासायोशी सोन 87 अरब डॉलर के साथ तीसरे स्थान पर है। सोन गुरुवार को जापानी निवेश फर्म के शेयरों में गिरावट से पहले एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति थे। गौतम अदाणी की संपत्ति का मुख्य स्त्रोत अदाणी समूह की कंपनियों में हिस्सेदारी है। अदाणी समूह की छह कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्य लगभग शुक्रवार तक 191 अरब डॉलर था।

इसमें अदाणी पावर 47.2 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ शीर्ष पर था। इसके बाद अदाणी पोर्ट्स का मूल्यांकन 44.2 अरब डॉलर, अदाणी एंटरप्राइजेज का वैल्यूएशन 44 अरब डॉलर, अदाणी ग्रीन एनर्जी का मार्केट 26.4 अरब डॉलर, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का वैल्यूएशन 19.9 अरब डॉलर और अदाणी टोटल गैस का मार्केट कैप 8.8 अरब डॉलर था। फोर्ब्स की रिपोर्ट के अनुसार, गौतम अदाणी की संपत्ति में पिछले महीने अमेरिका के जस्टिस डिपार्टमेंट द्वारा अदाणी समूह के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोपों को खारिज करने के बाद से लगभग 10 अरब डॉलर की वृद्धि हुई है। ये आरोप सौर ऊर्जा आपूर्ति अनुबंधों को लेकर 250 मिलियन डॉलर के लेनदेन में समूह की भागीदारी के थे। हालांकि, अदाणी समूह ने इन दावों का खंडन किया था। एशिया के सबसे धनी व्यक्ति के रूप में उनकी वापसी हाल के वर्षों में उनकी कंपनियों के मूल्यांकन में गिरावट के बाद हुई है, जो कई आरोपों के कारण हुई थी।

अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडेनबर्ग रिसर्च ने 2023 में अदाणी पर स्टॉक में हेरफेर और व्यापक धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। हालांकि, भारतीय नियामकों ने पिछले साल इन दावों को खारिज कर दिया था और कहा था कि आरोप सिद्ध नहीं हुए। उन्हें अमेरिका में भी आरोपों का सामना करना पड़ा था, जो अब समाप्त हो चुके हैं। अरबपति उद्योगपति ने पिछले महीने शेयरधारकों को लिखे अपने वार्षिक पत्र में कहा कि अदाणी समूह अमेरिकी कानूनी चुनौतियों से उबर चुका है और ऊर्जा, परिवहन, लॉजिस्टिक्स और डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ा रहा है, जिससे वह एआई आधारित विकास की बढ़ती मांग से लाभ उठाने के लिए तैयार है। उन्होंने समूह की प्रमुख कंपनी, अदाणी एंटरप्राइजेज के हालिया 24,930 करोड़ रुपए के राइट्स इश्यू की सफलता को निवेशकों का विश्वास बताया। यह ऐसे समय पर आया था।

आरबीआई सुधारों से भारत में 75 अरब डॉलर निवेश की उम्मीद, आर्थिक विकास पर पीएम मोदी का मंथन

नई दिल्ली। आरबीआई के हालिया सुधारों और निवेश संबंधी कदमों से भारत में 75 अरब डॉलर तक विदेशी निवेश आने की संभावना जताई गई है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आर्थिक सलाहकार परिषद के साथ विकास दर बढ़ाने और कारोबारी सुगमता पर चर्चा की। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की हालिया नीतिगत घोषणाओं और निवेश संबंधी सुधारों से भारत में 75 अरब डॉलर तक की विदेशी पूंजी आ सकती है। एसबीआई रिसर्च और कोटक सिक्योरिटीज की रिपोर्टों में कहा गया है कि इन सुधारों से विदेशी निवेश बढ़ेगा, रुपये को मजबूती मिलेगी और सरकारी उधारी की लागत कम हो सकती है।

एसबीआई का अनुमान है कि आरबीआई के उपायों से कम से कम 40 अरब डॉलर का निवेश आ सकता है, जबकि कोटक सिक्योरिटीज ने 50 से 75 अरब डॉलर तक पूंजी प्रवाह की संभावना जताई है। दोनों संस्थानों का मानना है कि अगस्त में मौद्रिक नीति समिति रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर ही बरकरार रख सकती है।

आरबीआई ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान 6.6 प्रतिशत कर दिया है, जो पहले 6.9 प्रतिशत था। केंद्रीय बैंक ने इसके लिए कमजोर वैश्विक मांग, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और अल नीनो से जुड़े जोखिमों को जिम्मेदार बताया है। वहीं खुदरा महंगाई का अनुमान बढ़ाकर 5.1% कर दिया गया है। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाएं भू-राजनीतिक तनाव, व्यापारिक अनिश्चितताओं और असमान विकास दर जैसी चुनौतियों का सामना कर रही हैं। बैठक में पीएम के प्रधान सचिव पीके मिश्रा और शक्तिकांत दास भी मौजूद रहे। वर्तमान में ईएसी-पीएम के अध्यक्ष एस महेंद्र देव हैं। परिषद में तीन पूर्णकालिक सदस्य और 11 अंशकालिक सदस्य शामिल हैं। जारी आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.8% रहने का अनुमान है, जबकि पूरे वित्त वर्ष के लिए यह 7.7% रह सकती है।

पीएम ने आर्थिक सलाहकार परिषद के साथ किया विमर्श

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक उथल पुथल के बीच आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के सदस्यों के साथ भारत की आर्थिक वृद्धि को और गति देने के उपायों पर विचार विमर्श किया और सुझाव लिए। सूत्रों के अनुसार, बैठक में अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए विभिन्न सुझावों और नीतिगत कदमों पर विचार-विमर्श हुआ। इसके साथ ही जीवन की सुगमता और कारोबार की सुगमता को बेहतर बनाने से जुड़े सुधारों पर भी मंथन हुआ। इस समय वैश्विक पटल पर पश्चिम एशिया का संघर्ष एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है, जिसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। बैठक के दौरान इस भू-राजनीतिक संकट को लेकर भी गंभीरता से चर्चा हुई। पीएम-ईएसी के सदस्यों ने पश्चिम एशिया संघर्ष का भारत सहित पूरी दुनिया पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों का अपना आकलन प्रधानमंत्री के सामने पेश किया। यह आकलन सरकार को भविष्य की आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए नीतियां तैयार करने में मदद करेगा।

रोचक तथ्यों का करंट

- शोधकर्ताओं ने पिकासो और मोनेट द्वारा चित्रों के बीच भेद करने के लिए कबूतरों को प्रशिक्षित किया। उन्होंने अपने काम के लिए मनोविज्ञान में विनोदपूर्ण आईजी नोबेल पुरस्कार जीता।
- भारत में एक कबूतर को गिरफ्तार किया गया था और पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में पुलिस गार्ड के अधीन रखा गया था।
- स्पाइन्राजा, रीढ़ की हड्डी के मांसपेशी एट्रोफी के लिए एक दवा, की कीमत $ 750,000 है।
- अमेजॉन का सबसे बड़ा गोदाम 17 अमेरिकी फुटबॉल क्षेत्रों के आकार जितना बड़ा है।
- इंग्लैंड में रहने वाले 770,000 लोग अंग्रेजी में अच्छी तरह से बात नहीं कर सकते हैं। एक इंसान के डीएनए में पचास उपन्यासों की जितनी से भी अधिक जानकारी होती है।
- प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान कबूतरों को मेल वाहक के रूप में उपयोग किया जाता था। उन्होंने दुश्मन की गोलीबारी पर जानकारी देकर कई जानें बचाई।
- कबूतरों को टेनिस कोर्ट से दूर दूर रखने के लिए विंबलडन शिकार के पक्षी, रूफस द हॉक को नियुक्त करता है।

अमेरिका-ईरान तनाव, एआई, महंगाई और कच्चे तेल की कीमतों से तय होगा बाजार का रुझान

मुंबई। भारतीय इक्विटी बाजारों के लिए अगला हफ्ता उतार-चढ़ाव भरा रह सकता है। इस दौरान अमेरिका-ईरान तनाव, एआई को लेकर निवेशकों का रुझान, महंगाई के आंकड़े और कच्चे तेल की कीमत जैसे कारक बाजार की दिशा तय करेंगे। अमेरिका-ईरान के बीच तनाव बना हुआ है। इजरायल की ओर से लेबनान पर लगातार बमबारी के चलते ईरान भी मध्य पूर्व में अमेरिकी ठिकानों पर आक्रामक बना हुआ है। ऐसे में अगले हफ्ते इस युद्ध को लेकर आने वाले अपडेट बाजार की चाल निर्धारित करेंगे। इसके साथ कच्चे तेल की चाल भी बाजार के लिए अहम होगी।

राशिफल

मेष: आराम व मनोरंजन के साधनों पर व्यय होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्ति के योग हैं। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी।

वृष: जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार पर व्यय हो सकता है। किसी मामले की चिंता रह सकती है।

मिथुन: शारीरिक कष्ट की आशंका है। कार्य में विघ्न हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। परीक्षा व साक्षात्कार इत्यादि में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क: पुराना रोग उभर सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से तनाव रहेगा। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है, सावधानी रखें।

सिंह: व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। खान-पान का ध्यान रखें। प्रयास सफल रहेंगे। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। राजमान के योग हैं।

कन्या: प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परेशानी हो सकती है। मन तथा शरीर में थकान महसूस होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा।

तुला: कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति व रोजगार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक: किसी मद में बड़ा खर्च हो सकता है। आर्थिक ? स्थिति कमजोर हो सकती है। किसी के उकसाने में न आएं। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें।

धनु: आशंका-कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता कम होगी। थकान रह सकती है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर: लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे।

कुंभ: किसी धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने का अवसर मिल सकता है। आत्मिक शांति रहेगी। किसी विवाद में विजय प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मीन: वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर युवा वर्ग लापरवाही न करें। भागदौड़ अधिक होगी।

चुटकुले

टिल्लू अपनी बीमारी लेकर डॉक्टर के पास गया।
डॉक्टर- आपकी बीमारी की सही वजह मेरी समझ में नहीं आ रही, हो सकता है दारू पीने की वजह से ऐसा हो रहा हो।
टिल्लू- कोई बात नहीं डॉक्टर साहब, जब आपकी उतर जाएगी तो मैं दोबारा आ जाऊंगा।

राज - अगर तुम्हें गर्मी लगती है तो क्या करते हो?
रवि - मैं कूलर के पास जाकर बैठ जाता हूं।
राज- अगर फिर भी गर्मी लगती है तो क्या करते हो?
रवि - तो फिर मैं कूलर चालू कर लेता हूं।

ग्राहक- भाई, तुमने दाढ़ी बनाने के साथ मेरी चमड़ी भी छील दी।
नाई- चिंता मत कीजिए, मैं आपसे केवल दाढ़ी बनाने के ही पैसे लूंगा।

08 06 2026 करंट क्राइम

सेलेब्रिटी जन्मदिन

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

शिल्पा शेट्टी (अभिनेत्री)

लवनया

हर्षित

जिया, प्रिया

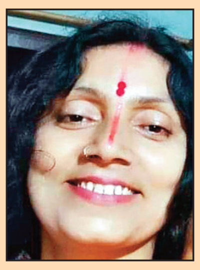

अमृता प्रीतम

आरती शर्मा

बब्लू राघव

विनित त्यागी

सुनील कुमार पंवार

सतेन्द्र त्यागी

योगेन्द्र चौधरी

अखण्ड गोस्वामी

एड. उत्तम त्यागी

सतेंद्र त्यागी

नितिन कुमार

संदीप वर्मा

फरमान अली (पत्रकार)

विवेक प्रकाश

जय सिंह

राकेश भट्ट

सुमित रघुवंसी

राजकुमार आनंद

सागर वत्स

कपिल राजपूत

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

आयरलैंड-इंग्लैंड दौरे के लिए वैभव के साथ जाएंगे माता-पिता? बीसीसीआई का क्या रहेगा रुख

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के माता-पिता को आयरलैंड-इंग्लैंड दौरे पर साथ जाने की मंजूरी दे सकता है। वैभव का पहली बार सीनियर पुरुष टीम में चयन हुआ है।

भारतीय टीम इस महीने आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी, जबकि अगले महीने इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी-20 मैचों की सीरीज होगी। इसके लिए शनिवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय टीम का एलान किया था जिसमें 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को भी मौका दिया गया था। यह पहली बार है जब वैभव सीनियर टीम में शामिल किए गए हैं। भारत दोनों ही सीरीज में नए कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुआई में खेलने उतरेगा।

वैभव के पास इतिहास रचने का मौका: वैभव टीम इंडिया में जगह बनाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं और अगर उन्होंने इन दौरों पर प्लेइंग-11 में जगह मिलती है तो वह भारत के लिए सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। वैभव इस मामले में सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देंगे। वैभव ने आईपीएल 2026 में दमदार प्रदर्शन किया था और वह इस सीजन सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने थे।

बीसीसीआई देगा छूट: बीसीसीआई ने हाल ही में नियम बनाया था कि विदेशी दौरों पर खिलाड़ियों के परिवार के सदस्य उनके साथ नहीं होंगे। लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वैभव के मामले में बीसीसीआई छूट दे सकता है और वैभव के साथ उनके माता-पिता को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर जाने की मंजूरी मिल सकती है। 1989 में 16 साल की उम्र में जब सचिन ने भारत के लिए डेब्यू किया था तो उनके बड़े भाई अजीत सचिन के साथ पाकिस्तान गए थे। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने एक स्पोर्ट्स वेबसाइट से बात करते हुए कहा, वैभव अभी ज्यादा बड़े नहीं इसलिए, हमने उनके माता-पिता को उनके साथ आयरलैंड और इंग्लैंड जाने की अनुमति देने का फैसला किया है, ताकि वे उनके साथ रह सकें और उन्हें नए वातावरण में ढलने में मदद कर सकें। बोर्ड इसका सारा खर्च वहन करेगा।

भारतीय महिला टीम ने 4X100 मीटर रिले रेस में जीता स्वर्ण

बाधा दौड़ में तेजस को मिला रजत

नई दिल्ली। भारतीय महिला 4X100 मीटर रिले टीम ने न्यू ताइपे सिटी एथलेटिक्स ओपन प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। श्राबनी नंदा, एस.एस. स्नेहा, सुदेशना शिवंकर और तमन्ना की चौकड़ी ने ताइवान के बानकियाओ स्टेडियम में शानदार 44.07 सेकेंड का समय निकालकर पोडियम पर टॉप किया।

भारत की महिला 4X100 मीटर रिले टीम ने न्यू ताइपे सिटी एथलेटिक्स ओपन प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। टीम ने स्वर्ण पदक जीतने के साथ-साथ नया मीट रिकॉर्ड भी बनाया। यह प्रतियोगिता विश्व एथलेटिक्स की कॉन्टिनेंटल टूर सिल्वर श्रेणी की एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता है। श्राबनी नंदा, एस.एस. स्नेहा, सुदेशना शिवंकर और तमन्ना की चौकड़ी ने ताइवान के बानकियाओ स्टेडियम में शानदार 44.07 सेकेंड का समय निकालकर पोडियम पर टॉप किया। इस दौरान, भारतीय टीम ने पिछला मीट रिकॉर्ड तोड़ दिया और वियतनाम पर 0.31 सेकेंड के आसान अंतर से जीत हासिल की। वियतनाम दूसरे स्थान पर रहा।

रिले में जीत के अलावा, भारत को फील्ड इवेंट्स में भी सफलता मिली जिसमें शैली सिंह ने महिलाओं की लंबी कूद प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। शैली ने 6.24 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया और अपने प्रतियोगी से आगे रहीं। उन्होंने मीट में भारत को मेडल टैली में एक और गोल्ड जोड़ा।

तेजस राष्ट्रमंडल खेलों के लिए नहीं कर पाए क्वालिफाई

भारत के तेजस शिरसे ने भी ट्रैक पर प्रभावित किया और मेन्स 110 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीता। कड़े मुकाबले के बीच तेजस ने बेहतरीन दौड़ लगाई और दूसरे स्थान पर रहे। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने बाधा दौड़ स्पर्धा में अपनी लगातार प्रगति को भी जारी रखा। तेजस ने पहले नेशनल चैंपियनशिप में भी गोल्ड जीता था। उनका गोल्ड जीतने का टाइम 13.50 सेकेंड था। उन्होंने 13.61 सेकेंड के अपने ही मीट रिकॉर्ड में सुधार किया, लेकिन वह कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) के लिए क्वालिफाई करने से चूक गए, क्योंकि इसके लिए निर्धारित क्वालिफिकेशन समय 13.39 सेकेंड था।

इससे पहले, भारतीय महिला रिले टीम ने भी अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन किया, जहां भारत ने रिकॉर्ड 19 मेडल जीते। विमेंस 4x100 मीटर रिले ने भी 45.05 सेकेंड के टाइम के साथ सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया। टीम के सदस्य काजल हीराभाई वाजा, भावना जी, आरती और निपम रहे। भारतीय पुरुषों की 4x400 मीटर रिले टीम ने भी 3:07.38 के मीट रिकॉर्ड में सुधार किया, लेकिन 3:05.54 के समय के साथ टीम तीसरे स्थान पर रही।

टीम के सदस्य पीयूष राज, सैयद सबीर, रंजीत कुमार एस और मोहम्मद अशफाक रहे।

कोहली के शब्दों ने बढ़ाया हौसला: वैभव सूर्यवंशी ने बताया फाइनल के बाद किस मुद्दे पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में अपने शानदार प्रदर्शन से क्रिकेट जगत का ध्यान खींचने वाले 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के साथ हुई अपनी बातचीत को लेकर बड़ा खुलासा किया है। सूर्यवंशी ने कहा कि आईपीएल फाइनल के बाद विराट कोहली से हुई मुलाकात उनके लिए किसी सपने से कम नहीं थी।

'मुझे लगा जैसे मैं सपना देख रहा हूं'

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2026 फाइनल के बाद कैमरों में कैद हुई विराट और वैभव की बातचीत सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई थी। मैच के बाद कोहली खुद राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज के पास पहुंचे और उनसे कुछ देर बातचीत की। राजस्थान रॉयल्स के टीम मैनेजर रोमी भिंडर को दिए गए एक इंटरव्यू में वैभव सूर्यवंशी ने उस पल को याद करते हुए कहा, 'सच कहूं तो जब विराट भैया ने मेरे कंधे पर हाथ रखा, मैं पूरी तरह हैरान रह गया। मैं बचपन से आरसीबी का समर्थक रहा हूं और विराट कोहली का बहुत बड़ा फैन हूं। जब वह मुझसे बात कर रहे थे, तब मुझे सच में लग रहा था कि मैं कोई सपना देख रहा हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'उन्होंने मुझसे बिल्कुल किसी बड़े भाई की तरह बात की। उन्होंने बताया कि मैं क्या अच्छा कर रहा हूं, किन चीजों में सुधार की जरूरत है और आगे के लिए मुझे किन पहलुओं पर ध्यान देना चाहिए।'

आईपीएल 2026 में रहा ऐतिहासिक प्रदर्शन

वैभव सूर्यवंशी के लिए आईपीएल 2026 का सीजन बेहद शानदार रहा। राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए उन्होंने पूरे टूनामेंट में आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। युवा बल्लेबाज ने सीजन में 776 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 237.31 रहा।

विराट कोहली ने क्या दी सलाह?

फाइनल के बाद हुई बातचीत में विराट कोहली ने सूर्यवंशी को उनके शानदार सीजन के लिए बधाई दी। साथ ही उन्हें भविष्य में लगातार बेहतर प्रदर्शन करने, मेहनत जारी रखने और बढ़ती उम्मीदों के दबाव को सही तरीके से संभालने की सलाह भी दी। आरसीबी द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में कोहली युवा बल्लेबाज की निडर बल्लेबाजी की तारीफ करते नजर आए थे।

बचपन से विराट के फैन रहे हैं वैभव

सूर्यवंशी ने बताया कि वह बचपन से विराट कोहली और आरसीबी को फॉलो करते रहे हैं।

उन्होंने यह भी खुलासा किया कि उनके पास विराट कोहली का ऑटोग्राफ किया हुआ एक कैप भी है। ऐसे में फाइनल के बाद हुई यह बातचीत उनके लिए और भी ज्यादा खास बन गई।

अब टीम इंडिया के लिए खेलेंगे वैभव

आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन का इनाम वैभव सूर्यवंशी को राष्ट्रीय टीम में चयन के रूप में मिला है। युवा सलामी बल्लेबाज को आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है।आईपीएल में रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन और विराट कोहली जैसे दिग्गज से मिली सीख के साथ अब वैभव सूर्यवंशी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी नई पारी शुरू करने के लिए तैयार हैं। क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें अब इस युवा सितारे पर टिकी होंगी।

विश्व कप से पहले अर्जेंटीना टीम की मुश्किलें बढ़ी, मैत्री मैच में नहीं खेल सके चोटिल मेसी

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप शुरू होने में अब ज्यादा दिन का समय शेष नहीं रह गया है। अर्जेंटीना की टीम विश्व कप में अपने खिताब का बचाव करने उतरेगी, लेकिन टीम के स्ट्राइकर लियोनल मेसी की चोट ने टीम की चिंता बढ़ा दी है।

विश्व कप फुटबॉल शुरू होने में जब केवल तीन दिन का समय बचा है तब स्टार स्ट्राइकर लियोनल मेसी की फिटनेस अर्जेंटीना के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। मेसी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण शनिवार रात होंडुरास के खिलाफ अर्जेंटीना के मैत्री मैच में नहीं खेले जिससे यह सुनिश्चित नहीं है कि वह विश्व कप में अपनी टीम के पहले मैच तक पूरी तरह फिट हो पाएंगे या नहीं।

कब तक फिट होंगे मेसी

तीन सप्ताह में 39 वर्ष के होने वाले मेसी ने मैच से पहले अपने साथियों के साथ अभ्यास किया, लेकिन अर्जेंटीना की 2-0 से जीत के दौरान वह बेंच पर ही बैठे रहे। टीम ने कहा है कि मेसी कब तक फिट हो पाएंगे यह उनकी शारीरिक और कार्यात्मक प्रगति पर निर्भर करेगा। अर्जेंटीना विश्व कप से पहले अपना अंतिम अभ्यास मैच मंगलवार को ऑबर्न, अलबामा में आइसलैंड के खिलाफ खेलेगा।

अल्जीरिया के खिलाफ शुरू करेंगे अभियान

अर्जेंटीना 16 जून को एरोहेड स्टेडियम में अल्जीरिया के खिलाफ विश्व कप खिताब का बचाव करने के अपने अभियान की शुरूआत करेगा। माना जा रहा है कि मेसी विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लेंगे।

उनके नाम पर विश्व कप में सर्वाधिक 26 मैच खेलने का रिकॉर्ड है। उन्हें विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने के जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोस के 16 गोल के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए केवल चार गोल की जरूरत है।

टी-20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया का रहा है दबदबा

अब तक कितनी टीमें जीत चुकी हैं खिताब

नई दिल्ली। महिला टी20 विश्व कप का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। भारत जहां इस टूनामेंट में अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश करेगी तो वहीं न्यूजीलैंड की नजरें खिताब का बचाव करने की होंगी। इस प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा रहा है।

महिला टी20 विश्व कप 2026 का आगाज 12 जून से होने जा रहा है। यह विश्व कप का 10वां संस्करण होगा। महिला टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया का पूरी तरह से दबदबा रहा है। वहीं, भारतीय टीम अब तक कभी इस प्रारूप में विश्व कप का खिताब अपने नाम नहीं किया है। भारत ने पिछले साल अपनी सरजमीं पर वनडे विश्व कप जीतकर अपना पहला आईसीसी खिताब जीता था। अब उसकी नजरें फटाफट क्रिकेट में भी अपना दम दिखाने पर होंगी।

ऑस्ट्रेलिया का रहा है दबदबा

महिला टी20 विश्व कप को सर्वाधिक बार जीतने वाली टीम ऑस्ट्रेलिया रही है। कंगारू टीम ने कुल छह बार इस ट्रॉफी को अपने नाम किया है। ऑस्ट्रेलिया ने पहली बार साल 2010 में विश्व कप के खिताब पर कब्जा जमाया था। इसके बाद 2012, 2014, 2018, 2020 और 2023 में भी टीम क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट की चैंपियन बनी।

इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड एक-एक बार बनी हैं चैंपियन

महिला टी20 वर्ल्ड कप के खिताब को इंग्लैंड ने एक बार अपने नाम किया है। इंग्लैंड टूनामेंट के पहले संस्करण में चैंपियन बनी थी। इंग्लिश टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल में न्यूजीलैंड को चार विकेट से शिकस्त दी थी।

पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की पूरी टीम 166 रन बनाकर ऑलआउट हुई थी। इंग्लैंड ने 167 रनों के लक्ष्य को छह विकेट गंवाकर हासिल कर लिया था। इंग्लैंड 2012, 2014 और 2018 में फाइनल तक भी पहुंची, लेकिन टीम को खिताबी मुकाबले में तीनों ही बार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। वेस्टइंडीज ने भी महिला टी20 वर्ल्ड कप को एक बार अपने नाम किया है। साल 2016 में कैरेबियाई टीम ने ऑस्ट्रेलिया को फाइनल में आठ विकेट से हराते हुए खिताब पर कब्जा जमाया था। वेस्टइंडीज ने पिछले दो विश्व कप को जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का फाइनल मुकाबले में हैट्रिक लगाने का सपना तोड़ा था।

खिताब का बचाव करने उतरेगी न्यूजीलैंड

साल 2024 में खेले गए महिला टी20 विश्व कप को न्यूजीलैंड ने जीता था। फाइनल मुकाबले में कीवी टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 32 रनों से हराया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 158 रन बनाए थे, जिसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम नौ विकेट खोकर 126 रन ही बना सकी थी। अमेलिया केर की कप्तानी में न्यूजीलैंड टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अपने खिताब का बचाव करने उतरेगी।

10-20 वर्षों तक दबदबा बनाए रखना चाहते हैं वैभव सूर्यवंशी, भविष्य के प्लान पर भी रखी राय

नई दिल्ली। भारत की नई युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने कहा है कि वह अगले 10-20 वर्षों तक अपना दबदबा बनाए रखना चाहते हैं। वैभव को हाल ही में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुना गया है।

आईपीएल 2026 में धमाकेदार प्रदर्शन का इनाम वैभव सूर्यवंशी को मिल गया है। 15 वर्षीय बल्लेबाज को आयरलैंड-इंग्लैंड और एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। वैभव का कहना है कि वह सिर्फ खेलना नहीं चाहते हैं, बल्कि अगले 10 से 20 वर्षों तक अपने खेल से दबदबा बनाए रखना चाहते हैं। राजस्थान रॉयल्स द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर वैभव का एक इंटरव्यू शेयर किया गया है। इस इंटरव्यू में बात करते हुए वैभव ने बताया कि वह ऐसा क्रिकेट खेलना चाहते हैं, जिसे देखकर लोग बाद में यह कहें कि एक बल्लेबाज अकेले दम पर मैच जीता देता था।

पूरी जिंदगी खेल का आनंद लेना चाहते हैं वैभव

वैभव ने कहा, मैंने सोचा है कि मैं 20 साल या जब तक भी क्रिकेट खेलूं और किसी भी टीम की तरफ से खेलूं, तो ऐसा खेलूं कि लोग मैच देखें या फिर बाद में सोचें तो यह कहें कि एक खिलाड़ी अकेले मैच खत्म कर देता था। वो दबदबा दिखना चाहिए, जिसके लिए मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं। ऐसा नहीं खेलना है कि खेला और बस मैच खत्म हो गया। ऐसा खेलना है कि अगले 10 से 20 वर्ष तक दबदबा बनाए रखना है और अच्छा क्रिकेट खेलना है। मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया था, क्योंकि मुझे आनंद आता था और मैं इस खेल को खेलते हुए पूरी जिंदगी आनंद लेना चाहता हूं।

वैभव के पास अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी काबिलियत साबित करने का सुनहरा मौका होगा। टीम इंडिया के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने भी माना कि वैभव ने अपने प्रदर्शन के बूते चयन समिति को उन्हें टीम में शामिल करने पर मजबूर किया। आईपीएल 2026 वैभव के लिए गजब का रहा। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए वैभव ने 16 पारियों में 237 के स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए और ऑरेंज कैप को अपने नाम किया। वैभव ऑरेंज कैप जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने।

सचिन का रिकॉर्ड तोड़ने का मौका

वैभव टीम इंडिया में जगह बनाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं और अगर उन्होंने इन दौरों पर प्लेइंग- 11 में जगह मिलती है तो वह भारत के लिए सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। वैभव ने आईपीएल 2026 में दमदार प्रदर्शन किया था और वह इस सीजन सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने थे। आईपीएल 2026 में दमदार प्रदर्शन के बाद वैभव फिलहाल त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारत ए टीम का हिस्सा हैं और श्रीलंका दौरे पर हैं।

फीफा विश्व कप में गोल दागने वाले पांच सबसे युवा फुटबॉलर

पेले से लेकर रोसास तक का नाम है शामिल

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 का काउंटडाउन शुरू हो गया है और अगले कुछ दिनों में फुटबॉल का रोमांच दुनिया पर छा जाएगा।

फीफा विश्व कप का मंच दिग्गजों की कहानियों के साथ उन युवा सितारों की चमक से भी जगमगाया है, जिन्होंने कम उम्र में ही दुनिया को अपना हुनर दिखाया। आइए, उन पांच खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं, जिन्होंने फीफा विश्व कप में सबसे कम उम्र में गोल दागकर इतिहास के पन्नों में अपना नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज कराया है।

पेले: ब्राजील के दिग्गज खिलाड़ी फीफा विश्व कप में गोल दागने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं। पेले ने साल 1958 में वेल्स के खिलाफ यह कारनामा किया था। उस समय पेले की उम्र 17 साल 239 दिन थी। ब्राजील ने यह मुकाबला 1-0 से अपने नाम किया था। पेले ने विश्व कप में अपना पहला गोल किया था।

मैनुअल रोसास: महज 18 साल 93 दिन की उम्र में मैक्सिको की तरफ से खेलते हुए रोसास ने फीफा विश्व कप 1930 में यह कारनामा किया था। रोसास ने विश्व कप में खाता खोला था, लेकिन अर्जेंटीना के खिलाफ मैक्सिको ने यह मैच 3-6 से गंवा दिया।

गावी: इस लिस्ट में स्पेनिश फुटबॉलर गावी तीसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने फीफा विश्व कप 2022 में 18 साल 110 दिन की उम्र में गोल किया था। अपना पहला फीफा विश्व कप गोल करने के लिए गावी ने कुल 74 मिनट का समय लिया। स्पेन ने कोस्टा रिका के खिलाफ यह मैच 7-0 से अपने नाम किया था।

माइकल ओवेन: इंग्लैंड के इस फुटबॉलर ने फीफा विश्व कप 1998 में रोमानिया के खिलाफ अपना पहला गोल किया था। इस खिलाड़ी ने वर्ल्ड कप के अपने 14वें मिनट में गोल किया था।

2023 के बाद भारत ने घरेलू टेस्ट मैच में बनाए 550+ रन

अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरा सर्वोच्च स्कोर

मुल्लांपुर। भारतीय टीम ने बल्लेबाजों के दम पर अफगानिस्तान के खिलाफ पहली पारी में विशाल स्कोर बनाया। भारत ने इस तरह 2023 के बाद पहली बार घरेलू टेस्ट मैच में 550 रनों का आंकड़ा पार किया है।

भारतीय टीम ने कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल के शतकों की मदद से अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट की पहली पारी में विशाल स्कोर खड़ा किया। भारत ने मुल्लांपुर में खेले जा रहे इस मैच के दूसरे दिन अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की। भारत के लिए इस मैच में कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल ने शतक जड़े। वहीं, साई सुदर्शन, ऋषभ पंत और वाशिंगटन सुंदर ने अर्धशतकीय पारी खेली।

भारतीय बल्लेबाजों ने गेंदबाजों को किया परेशान

अफगानिस्तान के खिलाफ इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों का दम दिखा। भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन गिल ने बनाए जो 126 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, केएल राहुल ने 100, पंत ने 81, सुदर्शन ने 81, मानव सुथार ने 28, यशस्वी ने 24, मोहम्मद सिराज ने 22 और ध्रुव जुरेल ने 19 रन बनाए। सुंदर 68 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 52 रन बनाकर नाबाद रहे। कुलदीप यादव भी नौ रन बनाकर नाबाद लौटे। अफगानिस्तान के लिए मोहम्मद सलीम सैफी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए छह विकेट झटके, जबकि जियाउर रहमान शरीफी और हशमातुल्लाह शाहिदी को एक-एक विकेट मिले।

घरेलू पिच पर किया दमदार प्रदर्शन: अफगानिस्तान के खिलाफ यह टेस्ट मैच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का हिस्सा नहीं है, लेकिन आने वाले दिनों में भारत को मजबूत टीमों का सामना करना है। यही कारण है कि भारत के लिए यह मैच काफी अहम है। भारत पिछले कुछ समय से घरेलू मैदान पर भी टेस्ट में रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहा था। लेकिन इस मैच में बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। भारत ने 2023 के बाद पहली बार टेस्ट में घरेलू मैदान पर 550 रनों का आंकड़ा पार किया। इससे पहले टीम ने 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए मैच में 571 रन बनाए थे।

इतना ही नहीं, भारत का यह स्कोर अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में किसी टीम का दूसरा सर्वोच्च टोटल है। इस टीम के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा स्कोर का रिकॉर्ड जिम्बाब्वे के नाम है जिन्होंने 2024 में 586 रन बनाए थे।

अफगानिस्तान के खिलाफ सबसे बड़ी साझेदारी: इससे पहले, शुभमन गिल और ऋषभ पंत की जोड़ी ने टेस्ट के दूसरे दिन 169 रनों की साझेदारी निभाते हुए इतिहास रच दिया। पंत और गिल द्वारा की गई ये साझेदारी अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की ओर से की गई किसी भी विकेट के लिए हुई सबसे बड़ी साझेदारी है। टेस्ट के दूसरे दिन गिल और पंत ने मिलकर 48 रन और जोड़े। भारतीय कप्तान 177 गेंदों का सामना करने के बाद 126 रन बनाकर आउट हुए। अपनी इस पारी में गिल ने 15 चौके और एक छक्का लगाया।

टेस्ट के पहले दिन भी भारतीय बल्लेबाजों का जलवा रहा। टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की ओर से यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने मिलकर पहले विकेट के लिए 41 रन जोड़े। यशस्वी अच्छी शुरूआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और वह 24 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, इसके बाद राहुल को साई सुदर्शन के रूप में बढ़िया जोड़ीदार मिला। राहुल-सुदर्शन ने दूसरे विकेट के लिए 184 गेंदों में 139 रनों की अहम साझेदारी निभाई। सुदर्शन ने 104 गेंदों का सामना करते हुए 81 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में सुदर्शन ने 13 चौके लगाए।

गाजियाबाद प्रीमियर लीगः गुडलक ग्लैडिएटर्स ने गाजियाबाद रॉयल्स को 30 रनों से दी शिकस्त

➪ईशु कुमार की 83 रनों की आतिशी पारी और गेंदबाजों के धारदार प्रदर्शन से ग्लैडिएटर्स ने दर्ज की शानदार जीत

➪गाजियाबाद रॉयल्स के शीर्ष और मध्यक्रम के लड़खड़ाने से हाथ से छूटा मैच, अंतिम ओवरों में करन शर्मा का संघर्ष रहा नाकाम

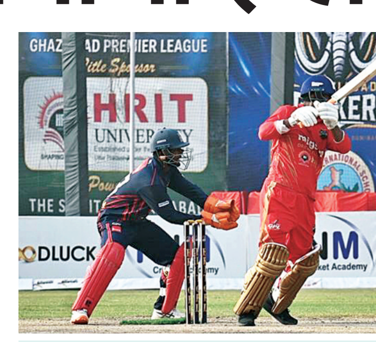

गाजियाबाद, करंट क्राइम। अल्फा क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए गाजियाबाद प्रीमियर लीग (जीपीएल) के रोमांचक मुकाबले में गुडलक ग्लैडिएटर्स ने गाजियाबाद रॉयल्स को 30 रनों से हरा दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुडलक ग्लैडिएटर्स की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट खोकर 192 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में रनों का पीछा करने उतरी गाजियाबाद रॉयल्स की टीम पूरे ओवर खेलने के बाद 8 विकेट पर 162 रन ही बना सकी और उसे हार का सामना करना पड़ा।

ईशु कुमार और आर्यन जुयाल का बेहतरीन प्रदर्शन

गुडलक ग्लैडिएटर्स की शुरूआत ठोस रही। सलामी बल्लेबाज अभिजीत त्यागी ने 19 गेंदों में 22 रन बनाए, जबकि आर्यन जुयाल ने तेजी से खेलते हुए 15 गेंदों में 3 चौकों की मदद से 22 रन जोड़े। इसके बाद क्रीज पर आए ईशु कुमार ने मैदान के चारों तरफ शानदार शॉट्स लगाए। उन्होंने महज 45 गेंदों का सामना करते हुए 83 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें कई आकर्षक चौके और छक्के शामिल रहे। मध्यक्रम में प्रतीक महाजन ने 10 गेंदों में 15 रन और सक्षम राय ने 20 गेंदों में 26 रनों का योगदान देकर टीम के स्कोर को 192 तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। गाजियाबाद रॉयल्स की ओर से यश दयाल सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 4 ओवर में 25 रन देकर 2 सफलताएं हासिल कीं, जबकि करन शर्मा को 1 विकेट मिला।

रॉयल्स के बल्लेबाजों का सामूहिक आत्मसमर्पण

193 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी गाजियाबाद रॉयल्स की शुरूआत बेहद खराब रही। सलामी बल्लेबाज प्रियम गर्ग बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गए। कप्तान सूर्य कुमार भी क्रीज पर ज्यादा देर नहीं टिक सके और मात्र 10 गेंदों पर 13 रन बनाकर बोल्ड हो गए। इसके बाद आदित्य शर्मा (07 रन) और अनंत चौधरी (10 रन) भी सस्ते में आउट हो गए। मध्यक्रम में आर्यन सरदाना ने 28 गेंदों में 22 रन बनाकर पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन रनों की गति बढ़ाने के प्रयास में वह भी अपना विकेट गंवा बैठे।

अंतिम क्षणों का रोमांच और ग्लैडिएटर्स की गेंदबाजी

एक समय गाजियाबाद रॉयल्स ने अपने 6 विकेट बेहद कम स्कोर पर खो दिए थे। अंतिम ओवरों में करन शर्मा ने शानदार जज्बा दिखाते हुए 33 गेंदों में 41 रनों की साहसिक पारी खेली, लेकिन दूसरे छोर से सहयोग न मिलने के कारण वह टीम को जीत की दहलीज पार नहीं करा सके। गुडलक ग्लैडिएटर्स के गेंदबाजों ने बेहद कसी हुई गेंदबाजी की। रोहन कुमार ने 4 ओवर में मात्र 16 रन देकर 2 विकेट चटकाए, वहीं अजय त्यागी ने 41 रन देकर 2 विकेट और विशाल मिश्रा ने 21 रन देकर 2 विकेट लिए। सक्षम राय और प्रतीक महाजन को भी 1-1 विकेट मिला। कसी हुई लाइनलेंथ के सामने रॉयल्स के बल्लेबाज निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 162 रन ही बना सके। इस बेहतरीन जीत के साथ गुडलक ग्लैडिएटर्स ने टूर्नामेंट में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

तुम्हारा ये राजनीतिक शिष्टाचार हमें करा देगा पार्टी से बाहर

एक दल है जिसका पॉलिटिकल बल शून्य हो चुका है। ले देकर एक विधायक वो भी अता पता लापता। राज्यसभा में जीरो, लोकसभा में जीरो। लेकिन सलामी अभी भी तोप से दी जा रही है। वहां पूर्व विधायक से लेकर पार्टी के मौजूदा अध्यक्ष को ये ही पता नहीं चलता कि वो कब पार्टी से बाहर हो गये और कब पार्टी में अंदर हो गये। महावत कितना भी पुराना हो, हाथी पटकने में पल्लू झटकने में एक सेकिन्ड भी नहीं लगाता है। ऐसे में नीली पार्टी के नेता जी एक दावत में गये थे। सबकुछ ठीक था लेकिन जैसे ही उन्होंने वीडियो बनती देखी और अगल बगल देखा तो उन्हें करंट का झटका लगा और वो खड़े हो गये। दरअसल उनकी एक अगल में समाजवादी और दूसरी बगल में कांग्रेसी बैठा था। बराबर वाली कुर्सी पर भाजपाई था। नेता जी को इस तरह से उठते देख समाजवादियों ने कहा कि अरे ये तो राजनीतिक शिष्टाचार है। अब जो जवाब नीले नेता ने दिया, वो सुनने लायक था। उन्होंने कहा कि जो तुम्हारे यहां राजनीतिक शिष्टाचार है वो हमारे यहां पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का सबसे बड़ा आधार है। महाराज तुम्हारा कुछ नही जायेगा और मेरी बली चढ़ जायेगी। ये कहकर नेता जी ने खुद को फोटो फ्रेम से बाहर किया और इस बात को पुख्ता किया कि कहीं गलती से भी वो फोटो के किसी भी फ्रेम में भाजपाईयों, कांग्रेसियों और सपाईयों के साथ ना आ गये हों। कहने वाले ने कहा कि इसे कहते हैं, भले ही तन पर लत्ता नहीं है लेकिन गेम खेलेंगे मांग पत्ता ही।

वो ऐसे हैं समाजवादी जिनकी संघ आयु फूल वालों ने ही बता दी

राजनीति का फूल किसी भी दल में खिले लेकिन जड़ें कहां है ये पता ही रहता है। किस्सा फूल वालों में उस अहीर को लेकर चला जो साईकिल वालों की हुकुमत में सबसे बड़े वीर थे। उनके पास ताज था, उनका राज था और राज में राज की बात फ्लॉवर वाले ने बता दी। फ्लॉवर वाले ने बताया कि जिन्हें आप मूल सपाई समझ रहे हैं वो बेसिकली भाजपाई रहे हैं। साईकिल वालों के राज में उनकी फुल वायु थी, लेकिन उनकी संघ आयु भी है। बता दिया कि कोई जब गाजियाबाद आता था तो पूरी स्वतंत्रता के साथ सपाई अहीर को मिलने के लिए बुलाता था। ये छोटी बात नहीं है कि फ्लॉवर वालों के स्ट्रेट हैड उनसे विशेष मुलाकात करते थे। साईकिल वालों को ये इल्म भी नही था कि जो उनका कमान्डर रहा है वो ध्वजप्रणाम वालों का देवतुल्य रहा है। अब साईकिल वाले भी साईकिल के नाम से भी बहुत दूर हैं। वैसे बुला उन्हें फूल वाले भी फिलहाल नहीं रहे हैं।

विधायक जी को इसलिए है ठेकेदारी के काम में महंगाई की फिक्र

सियासत का प्रॉटोकॉल है कि भले ही दिल किसी बात को ना मान रहा हो लेकिन अगर दल मान रहा है तो फिर पूरे बल के साथ उस बात की हां में हां मिलानी है। भले ही जमीन किसी बात के लिए राजी ना हो मगर वजीर होने का एहतराम करना है। और सत्ता की बात को सलाम करना है। फ्लॉवर वाले पुराने जनप्रतिनिधि ने ही कहा कि महंगाई की चिंता अगर वो नहीं करते तो फिर कौन करता। महंगाई की फिक्र उन्हें है इसलिए उन्होंने जिक्र भी किया। वो जानते हैं कि ठेकेदारी में एक चीज के दाम बढ़ने पर पूरे प्रोजेक्ट पर असर पड़ता है। फिर पुराने भाजपाई ने घुमाफिराकर ये बात बताई कि वो खुद भी तो ठेकेदारी करते हैं और उनके भाई भी कॉन्ट्रैक्टर हैं। बिजनेस है और बिजनेस में केवल अकेले उनका ही पेट नहीं है। बिजनेस में रोड़ी कूटने वाले से लेकर रोलर चलाने वाला भी सेट है। इसलिए अगर जिक्र नही करते तो फिर और क्या करते।

राजनगर एक्सटेंशन में मेधावी छात्र सम्मान समारोह संपन्न, ओझा सर ने दिया सफलता का मंत्र

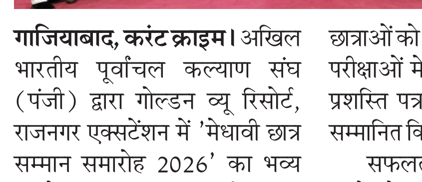

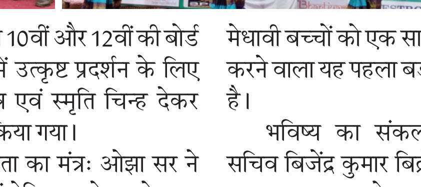

गाजियाबाद, करंट क्राइम। अखिल भारतीय पूर्वांचल कल्याण संघ (पंजी) द्वारा गोल्डन व्यू रिसोर्ट, राजनगर एक्सटेंशन में 'मेधावी छात्र सम्मान समारोह 2026' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि व प्रसिद्ध यूपीएससी मेंटर अवध ओझा और अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस समारोह में दिल्ली-एनसीआर और गाजियाबाद के 500 से अधिक मेधावी छात्र-छात्राओं को 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

सफलता का मंत्रः ओझा सर ने छात्रों को संबोधित करते हुए मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास को सफलता की कुंजी बताया और बड़े लक्ष्य तय करने के लिए प्रेरित किया।

क्षेत्र का पहला आयोजनः संघ के अध्यक्ष पंडित दीपक मिश्र ने बताया कि राजनगर एक्सटेंशन में हर वर्ग के मेधावी बच्चों को एक साथ सम्मानित करने वाला यह पहला बड़ा आयोजन है।

भविष्य का संकल्पः संगठन सचिव बिजेंद्र कुमार बिद्रोही ने सभी का आभार जताते हुए कहा कि प्रतिभाओं को सम्मान देने का यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

समारोह में पार्षद मधुकर त्यागी, राजीव झा, प्रेम शंकर सिंह सहित क्षेत्र के अनेक शिक्षाविद, समाजसेवी और संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शुल्क बढ़ोतरी और बदहाल सुविधाओं के खिलाफ सेवियर पार्क सोसाइटी में हंगामा

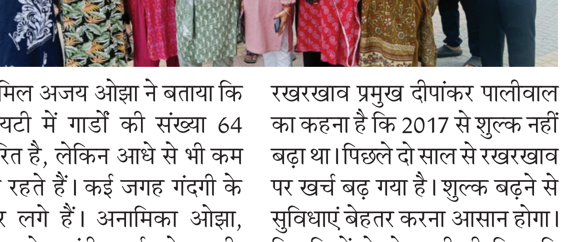

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। सेवियर पार्क सोसाइटी में रविवार को रखरखाव शुल्क बढ़ोतरी और मूलभूत सुविधाओं की बदहाली को लेकर निवासियों का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में लोगों ने सोसायटी परिसर में एकत्र होकर विकासकर्ता के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन और नारेबाजी की। निवासियों का आरोप है कि बिना चर्चा के रखरखाव शुल्क 1.50 रुपये से बढ़ाकर 2 रुपये प्रति स्क्वायर फुट कर दिया गया, जबकि सुविधाओं में लगातार कटौती हो रही है। इमारतों की दीवारों से प्लास्टर गिर रहा है, लिफ्ट आए दिन खराब रहती हैं। इससे बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। प्रदर्शन में शामिल अजय ओझा ने बताया कि सोसायटी में गार्डों की संख्या 64 निर्धारित है, लेकिन आधे से भी कम तैनात रहते हैं। कई जगह गंदगी के अंबार लगे हैं। अनामिका ओझा, कंचन अरोरा, संदीप वर्मा, रमेश भाटी, सनी, बीडी गुप्ता, रविंद्र त्यागी और अनिल सिंह सहित सैकड़ों निवासी प्रदर्शन में शामिल हुए। वहीं, रखरखाव प्रमुख दीपांकर पालीवाल का कहना है कि 2017 से शुल्क नहीं बढ़ा था। पिछले दो साल से रखरखाव पर खर्च बढ़ गया है। शुल्क बढ़ने से सुविधाएं बेहतर करना आसान होगा। निवासियों ने चेतावनी दी कि यदि सुविधाओं में सुधार किए बिना शुल्क वसूला गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

हिंदू युवा वाहिनी ने सूर्य चौहान के परिजनों को दी आर्थिक सहायता

न्याय की लड़ाई में साथ रहने का भरोसा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। खोड़ा क्षेत्र में सूर्य चौहान की हत्या के बाद हिंदू युवा वाहिनी का एक प्रतिनिधिमंडल रविवार को पीड़ित परिवार से मिलने उनके आवास पर पहुंचा। संगठन के पदाधिकारियों ने परिवार के सदस्यों को सांत्वना देते हुए इस दुखद घड़ी में हरसंभव सहयोग और समर्थन का आश्वासन दिया। इस दौरान संगठन की ओर से परिवार को 31,100 रुपए की आर्थिक सहायता का चेक भी प्रदान किया गया। हिंदू युवा वाहिनी के क्षेत्रीय अध्यक्ष अमित त्यागी ने कहा कि सूर्य चौहान की हत्या से पूरा समाज आहत है। उन्होंने कहा कि संगठन पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है और दोषियों को सख्त सजा दिलाने के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी रॉकी तोमर ने कहा कि हिंदू युवा वाहिनी सेवा और समर्पण के भाव से कार्य करने वाला संगठन है। परिवार को किसी भी प्रकार की आवश्यकता होने पर संगठन के कार्यकर्ता हर समय सहयोग के लिए तैयार रहेंगे। जिला प्रभारी विपिन गोयल ने कहा कि पीड़ित परिवार स्वयं को अकेला न समझे। संगठन का प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता परिवार के साथ खड़ा है तथा न्याय, सुरक्षा और सहायता के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। जिला अध्यक्ष मोहित गुर्जर ने कहा कि सूर्य चौहान के परिवार के साथ हुई यह घटना केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की पीड़ा है। उन्होंने कहा कि हिंदू युवा वाहिनी परिवार के सम्मान, सुरक्षा और न्याय के लिए लगातार आवाज उठाती रहेगी तथा हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ी रहेगी। प्रतिनिधिमंडल ने परिवार को 31,100 (इकतीस हजार एक सौ रुपये) की आर्थिक सहायता का चेक सौंपते हुए कहा कि यह राशि केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि समाज की संवेदनाओं और परिवार के प्रति समर्थन का प्रतीक है। संगठन पदाधिकारियों ने प्रशासन से मांग की कि पीड़ित परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और उन्हें हर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाए। इस अवसर पर मेरठ मंडल अध्यक्ष रविंद्र चौहान, गौतम बुद्ध नगर जिला अध्यक्ष रुपेश चौधरी, बागपत जिला अध्यक्ष भोपाल, डॉ. चंदन, बबलू सिंह, रिंकू, आशीष त्यागी, हर्ष त्यागी, शंकर, आलोक, रवि अवाना, वैभव और अवनीश चौधरी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस अधिकारी तीन महीने के लिए एक-एक पार्क लेंगे गोद

नोएडा। शहर के पार्कों में अराजकता को दूर करने के लिए अलग-अलग जोन के डीसीपी, एडीसीपी, एसीपी, थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी अपने अपने क्षेत्र में तीन महीने के लिए एक-एक पार्क को गोद लेंगे। सेक्टर 62 से 59 तक लगने वाले जाम का समाधान होगा। फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा ने बताया कि बैठक के दौरान नियमित पुलिस गश्त की कमी, यातायात जाम, पार्कों में असामाजिक तत्वों की गतिविधियां, किरायेदारों व सुरक्षा एजेंसियों का सत्यापन और साप्ताहिक बाजारों के कारण उत्पन्न ट्रैफिक समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

हाजीपुर अंडरपास से सेक्टर-93 तक बनेगी मॉडल रोड

नोएडा। सेक्टर-98 हाजीपुर अंडरपास चौराहे से सेक्टर-93ए एल्डिको सोसाइटी तक की सड़क नोएडा प्राधिकरण मॉडल रोड बनाने जा रहा है। नोएडा-ग्रेटर नोएडा अंडरपास किनारे की 45 मीटर चौड़ी सड़क की लंबाई करीब 3 किलोमीटर अनुमानित है। मॉडल रोड परियोजना के निर्माण की लागत करीब 35 करोड़ रुपये अनुमानित है। परियोजना को सैद्धांतिक मंजूरी प्राधिकरण के सीईओ कृष्ण करुणेश ने दे दी है। अब आगे टेंडर प्रक्रिया की तैयारी शुरू होगी। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया, मॉडल रोड के हिस्से में लैंड स्केपिंग, आकर्षक लाइटें, बैठने के लिए बेहतर बेंच समेत अन्य काम कराए जाएंगे। यह लोगों के परिवार सहित घूमने के लिए भी बेहतर स्थान होगा। यह सड़क नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड के बराबर में है। अधिकारियों ने बताया कि फुटपाथ पर छाया के लिए पेड़ होंगे और बैठने के लिए बेंच लगवाई जाएंगी। इसके साथ ही खाली और कच्ची जगह में घास भी लगेगी। पैदल चलने वाले सुरक्षित सड़क पार कर सकेंगे, इसके लिए क्रासिंग बनवाई जाएंगी। दिव्यांगों के लिए फुटपाथ पर चढ़ने के लिए विशेष रैंप बनवाए जाएंगे। शाम को यहां पर रोशनी के लिए होने वाली लाइटिंग से सजावट भी होगी। बिजली के डेकोरेटिव व कम ऊंचाई वाले पोल लगाए जाएंगे। प्राधिकरण के जीएम एके अरोड़ा ने बताया कि परियोजना में टेंडर प्रक्रिया की तैयारी शुरू करने के निर्देश वर्क सर्कल-8 को दिए गए हैं। लक्ष्य यह रखा गया है कि इसी महीने टेंडर जारी कर दिया जाए।

जनगणना 2027 में जहांगीरपुर व बिलासपुर नगर पंचायत अव्वल, नोएडा प्राधिकरण फिसड्डी

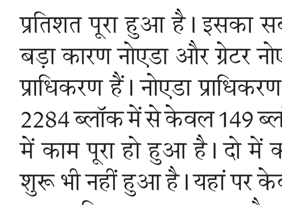

नोएडा। जिले में जनगणना-2027 का काम 21 प्रतिशत पूरा हो गया है। जहांगीरपुर और बिलासपुर नगर पंचायत ने मकानों की सूची व गणना का काम पूरा कर लिया है। जबकि नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण अभी भी फिसड्डी हैं। दोनों जगह 10 प्रतिशत भी काम पूरा नहीं हुआ हैं। कुल 33 ब्लॉक में काम शुरू नहीं हुआ है। इनमें 30 ब्लॉक ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के शामिल है। जिले के कुल 6032 ब्लॉक में से अब तक 1271 ब्लॉक में जनगणना का काम पूरा हो गया है।

जनगणना-2027 के तहत जिले में मकानों की सूची और गणना करने का काम चल रहा है। 22 मई से 20 जून के बीच काम पूरा करना है। अब 13 दिन और बचे हैं, लेकिन अब तक जिले में गणना का काम सिर्फ 21 प्रतिशत पूरा हुआ है। इसका सबसे बड़ा कारण नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण हैं। नोएडा प्राधिकरण के 2284 ब्लॉक में से केवल 149 ब्लॉक में काम पूरा हो हुआ है। दो में काम शुरू भी नहीं हुआ है। यहां पर केवल 6.52 प्रतिशत काम पूरा हुआ है।

ग्रेनो प्राधिकरण क्षेत्र का भी यहीं हाल है। यहां 2393 ब्लॉक में से 2152 में काम चल रहा है। 211 में काम पूरा हो गया है। जबकि 30 ब्लॉक में अभी भी काम शुरू नहीं हुआ है। ग्रेनो में 8.82 प्रतिशत काम पूरा हुआ है।

20 बड़े बकायेदारों पर बिजली विभाग ने की कार्रवाई

रबुपुरा। बिजली विभाग के बकायेदारों के खिलाफ विभाग की कार्रवाई लगातार जारी है। मुख्य अभियंता के आदेश के बाद रविवार को बिजली विभाग की टीम ने रबूपुरा में अभियान चलाकर 20 बड़े बकायेदारों के खिलाफ कार्रवाई की।

जेई महेश चंद के साथ लाइनमैन इंदर सिंह, प्रमोद कुमार, यशपाल सिंह, धर्मेंद्र सिंह की टीम के साथ कस्बे में घर-घर जाकर चेकिंग अभियान चलाया गया। इसके साथ ही बकायेदारों के घरों पर छापा मार कर उनके कनेक्शन काटे हैं।

जेई महेश चंद्र ने बताया कि करीब 20 बिजली के बड़े बकायदारों के कनेक्शन काटकर उन्हें जल्द से जल्द बिजली का बिल जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं।

सुपरटेक आइकन सोसाइटी के गेट पर भरा गंदा पानी लोग परेशान

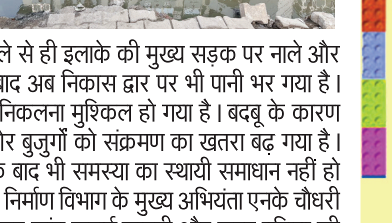

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। इंदिरापुरम न्याय खंड-1 स्थित सुपरटेक आइकन सोसाइटी के आसपास जलभराव की समस्या गंभीर होती जा रही है। रविवार को जंता फ्लैट्स की ओर बने नाले की पुलिया टूटने से सोसाइटी के निकास द्वार पर गंदा पानी भर गया। इससे स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सोसाइटी निवासी मनोज ठाकुर ने बताया कि पहले से ही इलाके की मुख्य सड़क पर नाले और सीवर का पानी जमा रहता है। पुलिया टूटने के बाद अब निकास द्वार पर भी पानी भर गया है। सड़क पर कीचड़ और दुर्गंध फैल गई है। पैदल निकलना मुश्किल हो गया है। बदबू के कारण लोगों का घरों में रहना दूभर हो गया है। बच्चों और बुजुर्गों को संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। निवासियों का आरोप है कि कई बार शिकायत के बाद भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो रहा। बरसात से पहले ही हालात खराब हैं। वहीं, निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता एनके चौधरी ने कहा कि मामला संज्ञान में आया है। टीम भेजकर जांच कराई जाएगी और जल्द पुलिया की मरम्मत कराकर जलभराव की समस्या दूर की जाएगी। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो प्रदर्शन करेंगे।

श्री राम कथा के पांचवें दिन धूमधाम से हुआ राम-सीता विवाह

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। श्री राम कथा के पांचवें दिन रविवार को चित्रकूट धाम वाले पं. श्री कृष्ण प्रताप तिवारी ने भगवान श्री राम और माता सीता के विवाह का प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि वन में दानवों का संहार कर ऋषियों के हवन-यज्ञ निर्विघ्न शुरू हो गए। इसके बाद विश्वामित्र, राम-लक्ष्मण को लेकर सीता स्वयंवर के लिए जनकपुर रवाना हुए। रास्ते में भगवान राम ने अहिल्या को चरण स्पर्श से शाप मुक्त किया। जनकपुर में धनुष यज्ञ के लिए दूर-दूर से राजा-महाराजा पहुंचे। कोई भी शिव धनुष को हिला तक न सका। राजा जनक की चुनौती पर विश्वामित्र की आज्ञा लेकर श्री राम ने धनुष उठाकर प्रत्यंचा चढ़ाई तो वह टूट गया। पूरे जनकपुर में खुशी की लहर दौड़ गई। जनक जी ने प्रसन्न होकर माता सीता को बुलाया और सीता जी ने भगवान राम के गले में वरमाला डाल दी। देवताओं ने आकाश से पुष्प वर्षा की। इसके बाद राजा दशरथ के चारों पुत्रों का विवाह जनक जी की चारों पुत्रियों के साथ संपन्न हुआ। कथा में निगम पार्षद राजीव भाटी, युग गुर्जर, राज किशन अग्रवाल, निलेश मित्तल, हरी अग्रवाल, ओम प्रकाश शर्मा, सतीश चौधरी सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सेक्टर-93 बी में बनेगा लावारिस कुत्तों के लिए शेल्टर

-नोएडा प्राधिकरण ने जारी किया टेंडर, 29 लाख रुपये लागत से होगा निर्माण

नोएडा। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन में सार्वजनिक जगहों से लावारिस कुत्ते हटाए जाएंगे। इसके लिए नोएडा प्राधिकरण सेक्टर-93बी में शेल्टर बनाने की तैयारी कर रहा है। शेल्टर के निर्माण में 29 लाख रुपये की लागत अनुमानित है। एजेंसी चयन के लिए प्राधिकरण ने टेंडर जारी कर आवेदन मांगे हैं। प्रक्रिया पूरी होने पर अगले महीने से इस शेल्टर का निर्माण शुरू हो जाएगा।

प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि शेल्टर में करीब 150 कुत्ते रह सकेंगे। अधिकारियों का कहना है कि अगर जुलाई से शेल्टर बनाने का काम शुरू हो जाता है तो तीन-चार महीने में बनकर तैयार हो जाएगा। अभी तक प्राधिकरण की तरफ से सेक्टर-34 और 135 में शेल्टर बनवाए गए हैं। सेक्टर-34 में 150 और 135 में करीब 350 कुत्तों को रखने की व्यवस्था है। इनके अलावा सेक्टर-94 में निजी एजेंसी शेल्टर संचालित कर रही है जहां पर करीब 1600 कुत्तों को रखने की व्यवस्था है। अधिकारियों ने बताया कि आगे सेक्टर-50 में भी कुत्तों का शेल्टर बनाया जाना प्रस्तावित है। यहां पर भी करीब 150 कुत्ते रह सकेंगे। एफएनजी किनारे सेक्टर-123 में बड़ा शेल्टर बनाया प्रस्तावित है, जिसकी क्षमता 1 हजार कुत्तों को रखने की होगी। प्राधिकरण के जीएम एके अरोड़ा ने बताया कि सेक्टर-93 बी में शेल्टर बनवाने का काम वर्क सर्कल-9 की निगरानी में करवाया जाएगा।

पोस्ट ऑफ द डे

प्रस्तुति
करंट क्राइम

Ranitaa Singh Raghuvanshi is with Amarendra Pratap Singh.
13h

हमारे परिवार का स्तम्भ मम्मी-बाबूजी आप दोनों को 72वें शुभ वैवाहिक वर्षगांठ की बहुत-बहुत हार्दिक शुभकामनाएं आप दोनों का दांपत्य जीवन अनंत काल तक बना रहे आप दोनों का अटूट प्रेम, विश्वास, त्याग और समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

प्रभु श्री राम से प्रार्थना करती हूँ आपका स्नेह और आशीर्वाद हम पर यूँ ही बना रहे।

आपके साथ के 72 वर्ष प्रेम, सम्मान और आदर्श जीवन की एक अद्भुत मिसाल हैं। आपकी प्यारी सी युगल जोड़ी अपने वैवाहिक वर्षगांठ की स्वर्ण जयंती हम सभी मनायें ऐसी प्रभु से कामना है।

#happyanniversary #follower #follow #highlight #facebookpost Amarendra Pratap Singh

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। ये परिवार का वजूद है ये स्नेह के धागे हैं और आज के दौर में सभी के लिए ये सीखने की मिसाल है कि परिवार की क्या ताकत होती है। भाजपा की महानगर उपाध्यक्ष रनितासिंह ने अपने सास और ससुर को परिवार का स्तम्भ बताते हुए मम्मी बाबूजी दोनों को उनकी 72 वीं मैरिज एनिवर्सरी की शुभकामनायें दीं। प्रभु से प्रार्थना की कि स्नेह और आशीर्वाद रहे। एक परिवार और रिश्तों के समर्पण का पूरा संसार। रनिता सिंह की यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

उत्तर कोरिया ने अमेरिका को दी खुली चुनौती

किम जोंग उन की बहन बोलीं- परमाणु हथियार नहीं छोड़ेंगे

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया ने अमेरिका की परमाणु निरस्त्रीकरण की मांग को खारिज करते हुए कहा है कि वह अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम को और मजबूत करेगा। किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने अमेरिका की नीति को पुरानी सोच बताया। उत्तर कोरिया मिसाइल और परमाणु उत्पादन बढ़ाने में जुटा है।

उत्तर कोरिया ने एक बार फिर अमेरिका को खुली चुनौती देते हुए साफ कर दिया है कि वह अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम को बंद नहीं करेगा। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने अमेरिका की परमाणु निरस्त्रीकरण की मांग को पुराना और अव्यावहारिक सपना बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों से मिल रहे खतरे के बीच उत्तर कोरिया लगातार अपने परमाणु हथियारों को मजबूत करेगा। इस बयान ने एक बार फिर कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव बढ़ा दिया है।

क्या बोलीं किम यो जोंग और क्यों बढ़ा विवाद?

किम जोंग उन की बहन और उत्तर कोरिया की वरिष्ठ नेता किम यो जोंग ने कहा कि उत्तर कोरिया को परमाणु शक्ति राष्ट्र के रूप में मान्यता मिल चुकी है और अमेरिका की तरफ से इसे बदलने की कोशिश का कोई कानूनी महत्व नहीं है। उन्होंने अमेरिका के उस दावे को भी खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उत्तर कोरिया के परमाणु निरस्त्रीकरण पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अभी भी पुराने दौर की सोच में फंसा हुआ है। उत्तर कोरिया अब पीछे हटने वाला नहीं है और अपनी सुरक्षा के लिए परमाणु ताकत बढ़ाता रहेगा। उत्तर कोरिया लगातार अपने परमाणु हथियार और मिसाइल कार्यक्रम को मजबूत कर रहा है। साल 2019 में ट्रंप और किम जोंग उन के बीच बातचीत विफल होने के बाद उत्तर कोरिया ने हथियार कार्यक्रम को और तेज कर दिया था। हाल ही में किम जोंग उन ने एक परमाणु सामग्री उत्पादन संयंत्र का दौरा किया था। वहां उन्होंने कहा था कि देश की परमाणु ताकत को तेजी से कई गुना बढ़ाया जाएगा। रविवार को उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने बताया कि किम जोंग उन ने एक हथियार फैक्ट्री का भी दौरा किया और मिसाइल उत्पादन क्षमता को ढाई गुना बढ़ाने का आदेश दिया।

चीन और रूस की भूमिका क्यों अहम मानी जा रही है?

यह बयान ऐसे समय आया है जब चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग उत्तर कोरिया के दौरे पर जाने वाले हैं। माना जा रहा है कि चीन इस दौरे के जरिए उत्तर कोरिया पर अपना प्रभाव फिर मजबूत करना चाहता है। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन सीधे परमाणु निरस्त्रीकरण का मुद्दा नहीं उठाएगा बल्कि आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर जोर देगा। दूसरी तरफ उत्तर कोरिया रूस के और करीब जाता दिख रहा है।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया पर क्या आरोप लगाए गए?

किम यो जोंग ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया पर लगातार हथियार बढ़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दोनों देश सैन्य दबाव बनाकर उत्तर कोरिया को डराने की कोशिश कर रहे हैं। इसी वजह से उत्तर कोरिया अपनी परमाणु क्षमता को और मजबूत कर रहा है। विशेषज्ञ मानते हैं कि उत्तर कोरिया अब खुद को स्थायी परमाणु शक्ति के रूप में स्थापित करना चाहता है। उसका मकसद अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध हटवाना और वैश्विक स्तर पर राजनीतिक मान्यता हासिल करना है। हालांकि अमेरिका और उसके सहयोगी देश अब भी उत्तर कोरिया पर दबाव बनाए हुए हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने पूर्व NSA को बताया बुरा और भ्रष्ट इंसान, बोले- बेईमानी की कीमत चुका रहे जॉन बोल्टन

वॉशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप ने पूर्व सलाहकार जॉन बोल्टन को बुरा और भ्रष्ट बताया है। बोल्टन पर गोपनीय दस्तावेजों को अपने पास रखने का आरोप है। वह अपना जुर्म कबूल कर सकते हैं और उन्हें भारी जुर्माने के साथ जेल की सजा भी हो सकती है। इस मामले की सुनवाई 26 जून को होगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन पर तीखा हमला किया है। ट्रंप ने बोल्टन को एक बुरा और भ्रष्ट आदमी करार दिया है। उन्होंने कहा कि बोल्टन अपनी बेईमानी की सजा भुगत रहे हैं। शनिवार को चिप्पेवा फॉल्स की यात्रा के दौरान एयरफोर्स वन विमान में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने बोल्टन की जमकर आलोचना की।

ट्रंप ने कहा कि जॉन बोल्टन एक बेईमान इंसान हैं और वह बिल्कुल भी समझदार नहीं हैं। ट्रंप के मुताबिक, बोल्टन को युद्ध करने का बहुत शौक था। वह हर उस व्यक्ति के खिलाफ युद्ध छेड़ना चाहते थे जो उनके सामने बोलता था। उन्होंने यह भी कहा कि वह कभी बोल्टन के प्रशंसक नहीं रहे और उन्हें केवल एक खास उद्देश्य के लिए काम पर रखा था।

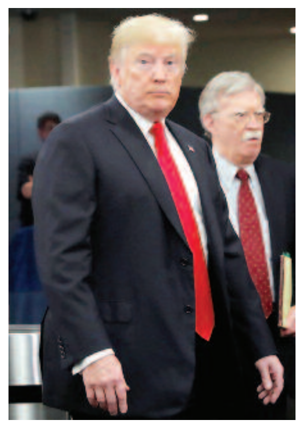

ट्रप ने दावा किया कि बोल्टन ने पूर्व राष्ट्रपति बुश के समय भी बहुत सी समस्याएं खड़ी की थीं। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि बोल्टन की युद्ध वाली सलाहों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता था क्योंकि वह कभी उनकी बात नहीं सुनते थे। ट्रंप ने बोल्टन की किताब का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने सारी जानकारी ली और उसका गलत इस्तेमाल किया। ट्रंप ने कहा कि बोल्टन को पकड़ लिया गया है और अब वह अपनी बेईमानी की कीमत चुका रहे हैं।

जॉन बोल्टन कस रहा कानूनी शिकंजा: इस बीच, जॉन बोल्टन पर कानूनी शिकंजा कसता जा रहा है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि बोल्टन गोपनीय दस्तावेजों को गलत तरीके से रखने के मामले में अपना दोष स्वीकार कर सकते हैं। उन पर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े बेहद संवेदनशील दस्तावेजों को अवैध रूप से अपने पास रखने का एक गंभीर आरोप है। इस मामले में बोल्टन 20 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक का जुमार्ना देने पर सहमत हुए हैं। मैरीलैंड के सरकारी वकीलों ने बोल्टन पर आरोप लगाया है कि उन्होंने ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान की डायरी के पन्ने अपने घर में छिपाकर रखे थे। अगर वह दोषी पाए जाते हैं, तो उन्हें 0 से लेकर 60 महीने तक की जेल हो सकती है।

ओहायो फेस्टिवल के पास ताबड़तोड़ फायरिंग से दहशत, 12 घायल

टोलेडो। अमेरिका के ओहायो राज्य के टोलेडो शहर में ओल्ड वेस्ट एंड फेस्टिवल के पास हुई गोलीबारी में कम से कम 12 लोग घायल हो गए। दो लोगों की हालत गंभीर है। पुलिस के अनुसार कम से कम दो हमलावर एक-दूसरे पर फायरिंग कर रहे थे। घटना के बाद इलाके में भगदड़ मच गई। पुलिस संदिग्धों की तलाश कर रही है और पूरे मामले की जांच जारी है। ओल्ड वेस्ट एंड फेस्टिवल के दौरान अचानक चली गोलियों से लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इस घटना में कम से कम 12 लोग घायल हुए हैं, जिनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि हमलावरों की तलाश जारी है और मामले की जांच तेज कर दी गई है।

फेस्टिवल के बीच आखिर कैसे मची अफरा-तफरी?

टोलेडो पुलिस के अनुसार यह घटना शनिवार शाम उस समय हुई जब ओल्ड वेस्ट एंड फेस्टिवल में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। यह दो दिवसीय आयोजन शहर के ऐतिहासिक इलाके में हर साल आयोजित किया जाता है, जिसमें लाइव म्यूजिक, खाने-पीने के स्टॉल, खरीदारी और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक अचानक गोलियों की आवाज सुनाई दी और देखते ही देखते पूरा इलाका अफरा-तफरी में बदल गया। लोग जमीन पर लेट गए और कई लोग जान बचाने के लिए भागते नजर आए। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में लोग चीखते और दौड़ते दिखाई दिए।

अमेरिकी नौसेना में महिला अधिकारियों की चिंता बढ़ी

प्रमोशन लिस्ट से नाम हटाने पर विवाद

वॉशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ द्वारा नौसेना की प्रमोशन सूची से महिला अधिकारियों के नाम हटाए जाने पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। महिला अधिकारियों ने आरोप लगाया कि इससे सेना में उनके करियर की सीमा तय होने का संदेश गया है। पेंटागन ने फैसले को योग्यता आधारित बताया, लेकिन कारण स्पष्ट नहीं किए। इसी पर पूरा विवाद है।

अमेरिका की नौसेना में महिला अधिकारियों के प्रमोशन को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ द्वारा नौसेना की प्रमोशन सूची से कई अधिकारियों के नाम हटाए जाने के बाद महिला अधिकारियों में नाराजगी और चिंता बढ़ गई है। खास बात यह है कि हटाए गए अधिकारियों में सभी महिला अधिकारी भी शामिल थीं। इसके बाद कई महिला अधिकारियों ने आशंका

जताई है कि अब सेना में उनके करियर की एक सीमा तय की जा रही है और आगे बढ़ने के मौके कम हो सकते हैं।

आखिर प्रमोशन सूची से क्या बदलाव किया गया: अमेरिकी नौसेना ने पहले 31 अधिकारियों को कैप्टन से वन-स्टार एडमिरल रैंक पर प्रमोट करने के लिए चुना था। लेकिन बाद में रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इस सूची से नौ अधिकारियों के नाम हटा दिए। इनमें तीन महिला अधिकारी और दो अश्वेत अधिकारी शामिल थे। इस फैसले के बाद इस साल अमेरिकी नौसेना में एक भी महिला अधिकारी को वन-स्टार एडमिरल रैंक नहीं मिल पाएगी।

साल 2024 के सैन्य आंकड़ों के मुताबिक अमेरिकी नौसेना के करीब एक-चौथाई अधिकारी महिलाएं हैं। इसके बावजूद शीर्ष रैंक में महिलाओं की गैरमौजूदगी ने बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। कई महिला अधिकारियों का कहना है कि यह फैसला सेना में महिलाओं के भविष्य को लेकर गलत संदेश देता है।

महिला अधिकारियों ने क्या चिंता जताई: कई महिला अधिकारियों ने कहा कि अब उन्हें लगने लगा है कि सेना में आगे बढ़ने के मौके राजनीतिक सोच से प्रभावित हो सकते हैं। कुछ अधिकारियों ने कहा कि उन्हें महसूस हो रहा है कि उनके करियर की एक अदृश्य सीमा तय कर दी गई है। अधिकारियों का मानना है कि अगर वरिष्ठ पदों तक पहुंचने में इस तरह हस्तक्षेप होगा तो सेना में महिलाओं का मनोबल प्रभावित होगा। कुछ अधिकारियों ने यह भी कहा कि युवा महिला सैनिकों को अब यह समझाना मुश्किल हो रहा है कि सेना में उनके लिए बराबर अवसर मौजूद हैं।

क्या पेंटागन ने भेदभाव के आरोप खारिज किए

पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने कहा कि सेना में प्रमोशन केवल योग्यता के आधार पर दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि किसी सैनिक की जाति या लिंग को प्रमोशन का आधार नहीं बनाया जाएगा। हालांकि पेंटागन ने यह साफ नहीं किया कि आखिर महिलाओं और अन्य अधिकारियों के नाम सूची से क्यों हटाए गए। नौसेना में प्रमोशन की प्रक्रिया लंबे समय से तय नियमों के तहत चलती रही है। इसके तहत वरिष्ठ अधिकारियों का एक बोर्ड उम्मीदवारों की सेवा, क्षमता और रिकॉर्ड देखकर प्रमोशन तय करता है। इस बार भी बोर्ड ने सूची तैयार की थी और नौसेना के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने उसे मंजूरी दी थी।

एच-1बी वीजा के जरिये ग्रीन कार्ड की व्यवस्था बंद करने की तैयारी

वॉशिंगटन। अमेरिका की संसद में एक ऐसा प्रस्ताव पेश किया गया है, जिसके तहत एच-1बी वीजा के तहत ग्रीन कार्ड देने पर रोक लग सकती है। अगर यह प्रस्ताव पारित हो जाता है तो इससे भारतीयों पर इसका गहरा असर पड़ेगा।

अमेरिकी संसद में एच-1बी वीजा कार्यक्रम को ग्रीन कार्ड प्राप्त करने के रास्ते के रूप में इस्तेमाल करने की व्यवस्था समाप्त करने का प्रस्ताव पेश किया गया है। प्रस्ताव में एच-1बी वीजा के दुरुपयोग का आरोप है। अमेरिका में ग्रीन कार्ड को स्थायी निवास प्रमाण पत्र माना जाता है। रिपब्लिकन पार्टी के एक कट्टरपंथी सांसद ने एच-1बी वीजा कार्यक्रम में बड़े बदलाव के प्रावधान वाले विधेयक का मसौदा संसद में पेश किया है।

टेक्सास से सांसद चिप रॉय ने बृहस्पतिवार को अमेरिकन व्हाइट-कॉलर वर्कर जॉब्स एक्ट पेश किया। प्रस्तावित विधेयक में वैकल्पिक व्यावहारिक प्रशिक्षण (ओपीटी) कार्यक्रम को भी समाप्त करने की मांग है। यह कार्यक्रम विदेशी छात्रों को पढ़ाई पूरी करने के बाद सीमित अवधि तक अमेरिका में काम करने की अनुमति देता है। रॉय ने कहा, लगभग 40 वर्षों के इतिहास में एच-1बी वीजा का दुरुपयोग ही हुआ है। इसके जरिये नियोक्ताओं ने अमेरिकी कर्मचारियों को दरकिनार कर सस्ते विदेशी श्रमिकों को प्राथमिकता दी है।

शीर्ष नेतृत्व में फूट की अटकलों को ईरान ने किया खारिज

उपराष्ट्रपति बोले- सीजफायर प्रस्ताव को लेकर मतभेद नहीं

तेहरान। हाल ही में अमेरिकी मीडिया ने दावा किया कि ईरान की सेना और शीर्ष नेतृत्व में सीजफायर मसौदे को लेकर भारी मतभेद है। अब देश के उप राष्ट्रपति मोहम्मद रेजा आरेफ ने इसे सिरे से नकारा है। उन्होंने इसे अफवाह करार दिया है। ईरान के प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद रेजा आरेफ ने इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) बातचीत में कहा कि देश के सभी वरिष्ठ अधिकारी वार्ता प्रस्तावों को लेकर पूरी तरह एकजुट हैं और बातचीत के मसौदे या प्रस्तावों पर किसी भी तरह के मतभेद की संभावना को खारिज किया है।

प्रस्तावों को लेकर अधिकारियों के बीच ₹कोई मतभेद नहीं'

आईआरएनए के अनुसार, ईरानी सीमा शुल्क प्रशासन के दौरे के दौरान आरिफ ने कहा कि अमेरिका के साथ

वार्ताओं में तेहरान ने एक स्पष्ट और समन्वित रणनीति अपनाई है। उन्होंने कहा, ₹इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने वार्ताओं में एक निश्चित रणनीति अपनाई है और सभी अधिकारियों ने पूर्ण समन्वय के साथ उसका पालन किया है। आरिफ ने आगे कहा कि वार्ता के पाठ और प्रस्तावों को लेकर अधिकारियों के बीच ₹कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान युद्ध और पिछले वर्ष 12-दिवसीय संघर्ष से ईरान ने संकट प्रबंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण अनुभव और सबक हासिल किए हैं।

आरिफ के अनुसार, इन अनुभवों ने देश की निर्णय-प्रक्रिया और राष्ट्रीय रणनीतियों को और अधिक मजबूत बनाने में मदद की है। आरिफ का यह बयान ईरान और अमेरिका के बीच चल रही अप्रत्यक्ष वाताओं के संदर्भ में आया है, जिनका उद्देश्य देश के खिलाफ अमेरिका-इजरायल द्वारा छेड़े गए युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करना है। संघर्ष 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल के संयुक्त हवाई हमले से शुरू हुआ था। आरिफ ने ₹दो थोपे गए युद्धों₹ के प्रबंधन में ईरान के अनुभव का उल्लेख करते हुए कहा कि देश ने संकट प्रबंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सबक सीखे हैं।

उन्होंने कहा कि युद्धकाल के दौरान कई नौकरशाही प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया और सरकारी अधिकारों का उपयोग कर आयात, माल की उतराई तथा सीमा शुल्क निकासी की प्रक्रिया को तेज किया गया। इसके परिणामस्वरूप सीमा शुल्क विभाग नई व्यवस्थाओं के माध्यम से प्रभावी ढंग से काम करने में सफल रहा। उपराष्ट्रपति ने देशभर के सभी सीमा शुल्क कार्यालयों और बंदरगाहों की क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। साथ ही उन्होंने उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम परिवहन गलियारों को शीघ्र पूरा करने का आह्वान किया। आरिफ ने दावा किया कि पड़ोसी देशों के साथ संबंध मजबूत करने की ईरान की रणनीति को रमजान के बाद और अधिक गति मिली है।

क्या सच में इस्राइल कर रहा अमेरिकी एजेंसी की जासूसी

वॉशिंगटन। पेंटागन ने इस्राइल की जासूसी के खतरे को गंभीर श्रेणी में डाल दिया है। इस फैसले की वजह राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नेतन्याहू के बीच बढ़ते तनाव को माना जा रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका को अपने अधिकारियों की निगरानी बढ़ने की आशंका है, जबकि इस्राइल ने इन आरोपों को खारिज करते हुए जासूसी के दावों को गलत बताया है।

अमेरिका के रक्षा मंत्रालय यानी पेंटागन ने इस्राइल की जासूसी गतिविधियों को लेकर बड़ी चिंता जताई है। पेंटागन ने इस्राइल से जुड़े जासूसी के खतरे को बढ़ाकर गंभीर (क्रिटिकल) स्तर पर पहुंचा दिया है। रक्षा खुफिया एजेंसी (ऊक्अ) ने इस संबंध में चेतावनी जारी की है। अमेरिकी रक्षा विभाग को डर है कि इस्राइल उनके वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी बढ़ा सकता है। यह स्थिति तब पैदा हुई है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन

नेतन्याहू के बीच ईरान के साथ चल रहे संघर्ष को लेकर मतभेद बढ़ गए हैं। रक्षा खुफिया एजेंसी ने हाल के हफ्तों में एक आंतरिक नोटिस और सात पन्नों का एक दस्तावेज जारी किया है। इसमें इस्राइल की जासूसी क्षमताओं को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, इस्राइल इंसानी जासूसी और तकनीकी जासूसी, दोनों ही क्षेत्रों में बहुत ज्यादा सक्षम है। हालांकि, दोनों देशों के बीच खुफिया जानकारी साझा करने का सामान्य काम पहले की तरह ही चलता रहेगा।

व्हाइट हाउस ने क्या कहा?

सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज की एमिली हार्डिंग ने कहा कि इस्राइल का खुफिया ढांचा बहुत आक्रामक है। वे यह जानने में बहुत ज्यादा दिलचस्पी रखते हैं कि अमेरिका क्या कर रहा है। हालांकि, व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने इस पूरी खबर को गलत बताया है। उन्होंने कहा कि यह जानकारी ऐसे व्यक्ति ने दी है जिसे घटनाओं की सही जानकारी नहीं है।

इस्राइल ने क्या कहा?

वहीं दूसरी ओर, वॉशिंगटन में इस्राइली दूतावास ने भी इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। दूतावास के प्रवक्ता ने कहा कि इस्राइल अमेरिकी संस्थाओं या अधिकारियों की जासूसी नहीं करता। उन्होंने साफ किया कि इस्राइल की खुफिया गतिविधियां केवल दुश्मनों के खिलाफ होती हैं, दोस्तों के खिलाफ नहीं।

पूर्व अमेरिकी अधिकारी ने किया खुलासा

एनबीसी न्यूज की एक रिपोर्ट में दो मौजूदा और एक पूर्व अमेरिकी अधिकारी ने इस बात का खुलासा किया है। एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिका पहले से ही इस्राइल के आधिकारिक दौरों पर सुरक्षा के बहुत कड़े इंतजाम करता है। इस्राइली जासूसी तंत्र को जानकारी जुटाने के मामले में बहुत आक्रामक माना जाता है। सुरक्षा के लिए अमेरिकी अधिकारी इस्राइल में अस्थायी कंप्यूटर और बर्नर फोन का इस्तेमाल करते हैं। पूर्व राजनयिकों और सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिकी अधिकारी इस्राइल में होटल के कमरों या किसी भी असुरक्षित जगह पर गोपनीय चर्चा करने से बचते हैं।

ट्रंप की टेक टीम को बड़ा झटका, व्हाइट हाउस के AI सलाहकार श्रीराम कृष्णन देंगे इस्तीफा

नई दिल्ली। व्हाइट हाउस हाउस के एआई नीति सलाहकार और भारतीय मूल के टेक विशेषज्ञ श्रीराम कृष्णन जून के अंत में पद छोड़ देंगे। उन्होंने ट्रंप प्रशासन के एआई एक्शन प्लान, डेटा सेंटर विस्तार और एआई नीति फ्रेमवर्क में अहम भूमिका निभाई। कृष्णन ने कहा कि अब वह अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के सामने एआई से जुड़ी बड़ी चुनौतियों पर नए स्तर पर काम करेंगे। उनके इस्तीफे को ट्रंप प्रशासन की टेक रणनीति के लिए बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

व्हाइट हाउस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नीति के प्रमुख सलाहकार रहे भारतीय मूल के श्रीराम कृष्णन जून के अंत में अपना पद छोड़ देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकाल में एआई रणनीति तैयार करने में अहम भूमिका निभाने वाले कृष्णन ने खुद सोशल मीडिया पर अपने इस्तीफे की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब वह अमेरिका के सामने एआई से जुड़े बड़े मुद्दों पर नए स्तर पर काम करेंगे। उनके इस्तीफे को ट्रंप प्रशासन की टेक नीति के लिए बड़ा घटनाक्रम माना जा रहा है।

क्या बोले श्रीराम कृष्णन अपने इस्तीफे पर: श्रीराम कृष्णन ने कहा कि व्हाइट हाउस में काम करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा। उन्होंने कहा कि वह जून के आखिर में अपना पद छोड़ देंगे और कुछ समय के ब्रेक के बाद अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के लिए एआई से जुड़े बड़े संस्थागत काम करेंगे। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व के बिना अमेरिका एआई की वैश्विक दौड़ में आगे नहीं होता। कृष्णन ने अपने 18 महीने के कार्यकाल को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि उन्होंने अमेरिकी एआई एक्शन प्लान तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। इसके साथ ही उन्होंने एआई एक्सेलेरेशन पार्टनरशिप, राष्ट्रीय एआई नीति फ्रेमवर्क और एआई से जुड़े कई अंतरराष्ट्रीय समझौतों पर काम किया। उन्होंने फ्रांस, भारत, ब्रिटेन और मध्य पूर्व में आयोजित एआई बैठकों का भी जिक्र किया।

एआई नीति में श्रीराम कृष्णन की क्या थी भूमिका: श्रीराम कृष्णन ट्रंप प्रशासन की उस टीम का हिस्सा थे जिसने अमेरिका में एआई सेक्टर के विस्तार के लिए रोडमैप तैयार किया। उन्होंने डेटा सेंटर बढ़ाने, एआई निवेश को आसान बनाने और नियमों में ढील देने जैसी नीतियों पर काम किया।

पीएम मोदी का दिया हीरा अपने पास रखना चाहती थीं जिल बाइडन, अमेरिकी सरकार को पड़ा लौटाना

वॉशिंगटन। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 2023 की अमेरिका यात्रा के दौरान जिल बाइडन को भेंट किया गया 7.5 कैरेट का लैब-ग्रोन हीरा उनकी सबसे यादगार सौगातों में शामिल रहा। अपनी आत्मकथा में बाइडन ने लिखा कि वह हीरा अपने पास रखना चाहती थीं, लेकिन अमेरिकी नियमों के तहत संघीय सरकार को लौटाना पड़ा। उन्होंने इसे कार्यकाल के दौरान आधिकारिक आयोजनों में पहना, लेकिन पद छोड़ने के बाद वापस कर दिया।

अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला डॉ. जिल बाइडन ने कहा है कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उपहार में दिए गए हीरे को अपने पास रखना चाहती थीं, लेकिन उसकी अधिक कीमत के कारण उन्होंने उसे संघीय सरकार को लौटा दिया। अपनी आत्मकथा 'व्यू फ्रॉम द ईस्ट विंगः ए मेमोइर' में बाइडन ने व्हाइट हाउस के जीवन और अमेरिका के प्रथम परिवार को मिलने वाले उपहारों से जुड़े सख्त नियमों का विस्तार से वर्णन किया है। यह पुस्तक इसी सप्ताह बाजार में आई है।

पीएम मोदी ने भेंट किया था 7.5 कैरेट का लैब-ग्रोन डायमंड

बाइडन को सबसे अधिक याद रहने वाले उपहारों में एक 7.5 कैरेट का लैब-ग्रोन डायमंड भी शामिल है, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने उनकी वॉशिंगटन स्थित राजकीय यात्रा के दौरान भेंट किया था। बाइडन लिखती हैं, 'कभी-कभी उपहार के रूप में छोटी-छोटी चीजें मिलती थीं, जैसे फूल या शराब, लेकिन कभी-कभी बड़ी चीजें भी मिलती थीं। इनमें 7.5 कैरेट का वह लैब-ग्रोन डायमंड भी शामिल था, जो भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी राजकीय यात्रा के दौरान मुझे दिया था। यह रत्न प्रयोगशाला में निर्मित हीरों के क्षेत्र में अग्रणी बनने के भारत के प्रयासों का प्रतीक था'।

हीरे को लेकर क्या थी जिल बाइडन की योजना

बाइडन आगे लिखती हैं, 'यह हीरा बेहद खूबसूरत था। अमेरिकी नैतिक नियमों के अनुसार यह उपहार व्यक्तिगत रूप से मेरा नहीं था। तकनीकी रूप से यह मुझे नहीं, बल्कि प्रथम महिला के पद को दिया गया था, इसलिए यह संघीय सरकार की संपत्ति माना गया'। उन्होंने बताया कि एक निश्चित मूल्य से अधिक के उपहारों की सरकारी अधिकारियों द्वारा समीक्षा की जाती है और उनका रिकॉर्ड रखा जाता है। ऐसे उपहारों को प्राप्त करने वाला व्यक्ति उनके उचित बाजार मूल्य का भुगतान कर उन्हें खरीद सकता है। प्रधानमंत्री मोदी के उपहार के मामले में उन्होंने शुरूआत में ऐसा करने पर विचार किया था। बाइडन लिखती हैं, 'प्रधानमंत्री ने कहा था कि यह उनके गृहनगर में 2,500 डॉलर में हस्तनिर्मित किया गया था। उनके पास इसकी रसीद भी थी।

जलवायु परिवर्तन से बढ़ा खतरा

नई दिल्ली। कभी चिकनगुनिया को मुख्य रूप से गर्म जलवायु वाले देशों की बीमारी माना जाता था, पर अब वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि जलवायु परिवर्तन इस बीमारी का भूगोल बदल सकता है।

बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण ऐसे मच्छरों का दायरा तेजी से बढ़ रहा है जो चिकनगुनिया वायरस फैलाते हैं।

भारत के लिए भी बढ़ सकती है चिंता: प्रतिष्ठित जर्नल फ्रंटियर्स इन सेलुलर एंड इन्फेक्शन माइक्रोबायोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार सदी के अंत तक उत्तर-पूर्वी उत्तरी अमेरिका, मध्य यूरोप और पूर्वी एशिया के कई हिस्से चिकनगुनिया के नए हॉटस्पॉट बन सकते हैं।

NAME CHANGED

I, Sushil Kumar Agarwal S/o late Shri Jai Prakash Agrawal, R/o B- 802 JKG Heights, Plot number C-9 sector 18 Vasundhara, Ghaziabad have changed, my name from Sushil Kumar, Henceforth I would be known by the name of Sushil Kumar Agarwal for all future purpose.

गाजियाबाद नगर निगम
(I.S.O. 14001, 18001 एवं 19001 प्रमाणित संस्था)

पत्रांक 125/निर्माण/2026-27 दिनांकः 06.06.2026

ई-टेण्डर निविदा सूचना

गाजियाबाद नगर निगम द्वारा विभिन्न निर्माण कार्यों (निगम निधि, अवस्थापना विकास निधि, 15वॉ वित्त आयोग एवं अन्य) हेतु ई-निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र उत्तर प्रदेश की ई-प्रिक्योरमेन्ट की वेबसाइट http://etender.up.nic.in से प्राप्त किया जा सकता है, जिन्हे https://etender.up.nic.in वेबसाईड से डाउनलोड कर अपलोड करना आवश्यक होगा। उक्त निविदा हेतु 03 प्रतिशत की धरोहर धनराशि एवं निविदा शुल्क (नॉन रिफन्डेबिल) वेबसाईट https://etender.up.nic.in पर जमा करना अनिवार्य होगा।

ऐसे निविदादाता/फर्म जो नगर निगम गाजियाबाद में पंजीकृत नही है, के लिए शासनादेश संख्या-3890/नौ-5-19-149सा/2019 दिनांक 20.09.2019 के आलोक में निविदादाता को चरित्र प्रमाण पत्र, हैसियत प्रमाण पत्र, समान कार्य का अनुभव प्रमाण पत्र तथा जी.एस.टी. नम्बर वेबसाइट पर आपलोड करना आवश्यक होगा।

विस्तृत निविदा सूचना/नियम व शर्ते http://etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है।

मुख्य अभियन्ता, गाजियाबाद नगर निगम

नई दिल्ली | दैनिक करंट क्राइम
08 | सोमवार • 08 जून -2026

गाजियाबाद

डॉ. प्रवीण कुमार: मुस्कान के शिल्पकार, चिकित्सा नेतृत्व के प्रतीक और सामाजिक स्वास्थ्य चेतना के अग्रदूत

शख्सियत

स्वास्थ्य सेवाओं की दुनिया में कुछ नाम ऐसे होते हैं, जो केवल अपनी विशेषज्ञता के कारण नहीं, बल्कि अपने दृष्टिकोण, नेतृत्व और मानवीय संवेदनाओं के कारण अलग पहचान बनाते हैं। नोएडा के मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में डेंटल सर्जरी एवं इम्प्लांटोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. प्रवीण कुमार ऐसा ही एक नाम हैं। पिछले दो दशकों से अधिक समय से वह दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं देते हुए हजारों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला चुके हैं।

उनके लिए दंत चिकित्सा केवल दांतों का इलाज नहीं, बल्कि किसी व्यक्ति का आत्मविश्वास लौटाने, उसकी मुस्कान को संवारने और बेहतर जीवन गुणवत्ता प्रदान करने का माध्यम है।

आज जब चिकित्सा क्षेत्र तेजी से आधुनिक तकनीकों और व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा की ओर बढ़ रहा है, तब डॉ. प्रवीण कुमार अपनी सादगी, मरीज-केंद्रित दृष्टिकोण और सामाजिक सरोकारों के कारण विशेष रूप से पहचाने जाते हैं। यही वजह है कि उन्हें केवल एक सफल डेंटल सर्जन नहीं, बल्कि स्वास्थ्य क्षेत्र के एक प्रभावशाली नेता के रूप में भी देखा जाता है।

दंत चिकित्सा में आधुनिकता और नवाचार

करंट क्राइम। डॉ. प्रवीण कुमार की विशेषज्ञता डेंटल इम्प्लांटोलॉजी, फुल माउथ रिहैबिलिटेशन, कॉस्मेटिक डेंटिस्ट्री, स्माइल डिजाइनिंग, मैक्सिलोफेशियल प्रक्रियाओं तथा जटिल रूट कैनाल उपचार में मानी जाती है। उन्होंने ऐसे समय में डेंटल इम्प्लांट जैसी उन्नत तकनीकों को बढ़ावा दिया, जब देश में यह उपचार आम लोगों की पहुंच से काफी दूर माना जाता था। उनके प्रयासों ने हजारों मरीजों को आधुनिक और स्थायी उपचार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका मानना है कि चिकित्सा विज्ञान निरंतर विकसित हो रहा है और एक चिकित्सक की सबसे बड़ी जिम्मेदारी स्वयं को लगातार अपडेट रखना है। इसी सोच के कारण वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में सक्रिय भागीदारी करते रहे हैं।

शिक्षा और ज्ञान की मजबूत नींव

करंट क्राइम। डॉ. प्रवीण कुमार ने मेरठ विश्वविद्यालय से कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एवं एंडोडॉन्टिक्स में एमडीएस की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (एफएमएस) से हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन में एमबीए किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने अस्पताल प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा भी हासिल किया। चिकित्सा और प्रबंधन दोनों क्षेत्रों की शिक्षा ने उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं को केवल चिकित्सकीय दृष्टि से नहीं, बल्कि प्रशासनिक और सामाजिक दृष्टिकोण से भी समझने की क्षमता प्रदान की। यही कारण है कि उन्होंने अपने पूरे करियर में चिकित्सा उत्कृष्टता और संस्थागत नेतृत्व दोनों को समान महत्व दिया।

मरीजों का विश्वास ही सबसे बड़ा पुरस्कार

करंट क्राइम। किसी भी डॉक्टर की सबसे बड़ी पूंजी उसका ज्ञान नहीं, बल्कि मरीजों का विश्वास होता है। डॉ. प्रवीण कुमार के बारे में उनके मरीजों का कहना है कि वह उपचार शुरू करने से पहले रोगी को पूरी प्रक्रिया विस्तार से समझाते हैं और हर निर्णय में मरीज की सुविधा और दीर्घकालिक लाभ को प्राथमिकता देते हैं। उनके लिए प्रत्येक मरीज एक अलग कहानी है, जिसकी अपनी जरूरतें और चुनौतियां होती हैं। यही संवेदनशीलता उन्हें एक सफल चिकित्सक के साथ-साथ लोकप्रिय डॉक्टर भी बनाती है।

संघर्ष, अनुभव और सफलता का सफर

करंट क्राइम। डॉ. प्रवीण कुमार का पेशेवर जीवन लगातार सीखने और आगे बढ़ने की कहानी है। उन्होंने विभिन्न प्रतिष्ठित अस्पतालों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। गाजियाबाद के यशोदा हॉस्पिटल में डेंटल सर्जरी विभाग का नेतृत्व करने के बाद उन्होंने मैक्स मल्टी स्पेशियलिटी सेंटर और फोर्टिस हॉस्पिटल में भी विभागाध्यक्ष के रूप में कार्य किया। वर्ष 2014 में उन्होंने नोएडा स्थित जयपी हॉस्पिटल (वर्तमान मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल) में डेंटल सर्जरी एवं इम्प्लांटोलॉजी विभाग के प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला। उनके नेतृत्व में विभाग ने उल्लेखनीय प्रगति की और आज यह एनसीआर के अग्रणी डेंटल केंद्रों में शामिल है।

सामाजिक ताने-बाने से जुड़ा एक चिकित्सक

करंट क्राइम। डॉ. प्रवीण कुमार का व्यक्तित्व केवल अस्पताल की चारदीवारी तक सीमित नहीं है। उनका मानना है कि स्वस्थ समाज का निर्माण केवल अस्पतालों में नहीं, बल्कि जागरूकता, शिक्षा और सामाजिक भागीदारी के माध्यम से होता है। भारत में आज भी बड़ी संख्या में लोग दंत स्वास्थ्य को गंभीरता से नहीं लेते। परिणामस्वरूप छोटी समस्याएं बाद में गंभीर रोगों का रूप ले लेती हैं। डॉ. प्रवीण कुमार लगातार इस विषय पर जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते रहे हैं। उनका मानना है कि यदि लोग समय रहते स्वास्थ्य के प्रति सजग हो जाएं तो अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है। वे स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों, शैक्षणिक कार्यक्रमों और सामाजिक पहलों के माध्यम से लोगों तक यह संदेश पहुंचाने का प्रयास करते हैं कि मौखिक स्वास्थ्य पूरे शरीर के स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

नेतृत्व की अलग पहचान

करंट क्राइम। डॉ. प्रवीण कुमार केवल एक कुशल चिकित्सक ही नहीं, बल्कि एक प्रभावी प्रशासक और मार्गदर्शक भी हैं। उनके नेतृत्व में युवा डॉक्टरों और दंत चिकित्सा विशेषज्ञों की नई पीढ़ी को प्रशिक्षण और दिशा मिल रही है। उनका मानना है कि एक सफल संस्थान वही होता है, जहां ज्ञान का आदान-प्रदान निरंतर चलता रहे। यही कारण है कि वे चिकित्सा शिक्षा और शोध गतिविधियों को भी प्रोत्साहित करते हैं।

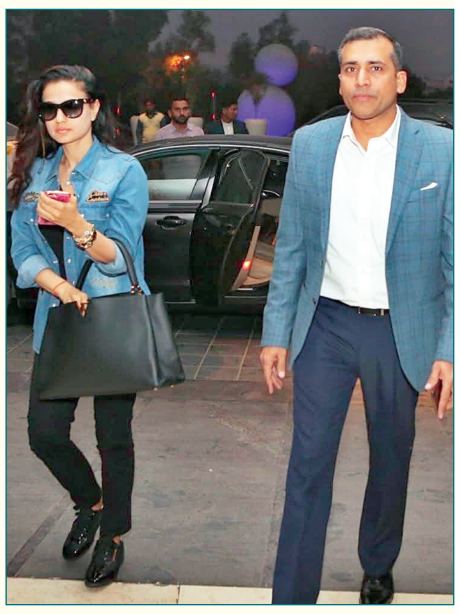

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मान

करंट क्राइम। दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. प्रवीण कुमार को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई सम्मान प्राप्त हुए हैं। वे वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ ओरल इम्प्लांटोलॉजी के डिप्लोमैट हैं तथा इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट्स और पियरे फौचार्ड अकादमी के फेलो भी हैं। हाल के वर्षों में उन्हें लंदन स्थित हाउस ऑफ लॉर्ड्स में इनोवेटिव यूथ आइकन अवॉर्ड तथा एक्सीलेंस इन डेंटल इम्प्लांटोलॉजी सम्मान से नवाजा गया। यह सम्मान उनके व्यक्तिगत योगदान के साथ-साथ भारतीय दंत चिकित्सा जगत की उपलब्धियों का भी प्रतीक हैं।

प्रेरणा की कहानी

करंट क्राइम। डॉ. प्रवीण कुमार की यात्रा यह संदेश देती है कि सफलता केवल पद और प्रतिष्ठा से नहीं मापी जाती। वास्तविक सफलता तब मिलती है जब आपका ज्ञान समाज के काम आए, आपकी उपलब्धियां लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएं और आपका व्यक्तित्व दूसरों को प्रेरित करे। आज डॉ. प्रवीण कुमार हजारों मरीजों के लिए भरोसे का नाम, युवा चिकित्सकों के लिए प्रेरणा और स्वास्थ्य जगत के लिए नेतृत्व का एक सशक्त उदाहरण हैं। उन्होंने यह साबित किया है कि एक डॉक्टर केवल बीमारियों का उपचार करने वाला व्यक्ति नहीं होता, बल्कि वह समाज में विश्वास, जागरूकता और बेहतर जीवन की उम्मीद जगाने वाला मार्गदर्शक भी हो सकता है। उनकी कहानी चिकित्सा सेवा, समर्पण, नेतृत्व और मानवीय मूल्यों की ऐसी प्रेरक गाथा है, जो आने वाली पीढ़ियों को भी निरंतर प्रेरित करती रहेगी।

दो दर्दनाक हादसे: 17वीं मंजिल से छात्र ने लगाई छलांग, ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत

नोएडा (करंट क्राइम)। जनपद गौतमबुद्ध नगर में रविवार को दो अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई। ग्रेटर नोएडा की एक सोसायटी में परिजनों की डांट-फटकार से परेशान एक छात्र ने 17वीं मंजिल से छलांग लगा दी, जबकि दादरी रेलवे स्टेशन पर एक युवक ट्रेन की चपेट में आ गया। दोनों मामलों में पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। थाना नॉलेज पार्क के प्रभारी निरीक्षक सर्वेश कुमार सिंह ने बताया कि गौरव कुमार पुत्र अजय कुमार सेक्टर-151 स्थित जेपी अमन सोसायटी में अपने परिवार के साथ रहते थे। वह एक कॉलेज में अध्ययनरत थे तथा नशे के आदी बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार रविवार तड़के गौरव नशे की हालत में घर पहुंचे, जिस पर परिजनों ने उन्हें फटकार लगाई। इस बात को लेकर परिवार के साथ उनका विवाद हो गया। विवाद के कुछ देर बाद गौरव ने सोसायटी की 17वीं मंजिल से छलांग लगा दी। गंभीर रूप से घायल गौरव को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर थाना नॉलेज पार्क पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

श्रद्धांजलि सभा

स्व. श्रीमती कमला रानी बजाज
(धर्मपत्नी स्व. श्री केदारनाथ बजाज)

आपको बड़े दुख के साथ सूचित किया जाता है हमारी पूज्यनीय माताजी अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण करके दिनांक 05 जून, 2026 दिन शुक्रवार को प्रभु चरणों में लीन हो गई हैं।
उनकी आत्मिक शान्ति के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन निम्न कार्यक्रमानुसार है।

कार्यक्रम

सोमवार, 08 जून, 2026

लंगर/प्रसाद .... दोपहर 12.00 बजे से
रस्म पगड़ी .... सायं 3.00 से 4.15 बजे तक

कार्यक्रम स्थल
डायमण्ड पैलेस, कवि नगर इण्डस्ट्रियल एरिया, गाजियाबाद।

शोकाकुल परिवार

गुलशन बजाज (पुत्र)
सुधीर बजाज-सीमा बजाज (पुत्र-पुत्रवधु),
विनेश बजाज-मनीषा बजाज (पुत्र-पुत्रवधु),
दिनेश बजाज-रेखा बजाज (पुत्र-पुत्रवधु)
श्री श्याम सुन्दर मेहन्दीरत्ता (दामाद)
श्रीमती मधु भूटानी-श्री नन्द किशोर भूटानी (पुत्री-दामाद)

एवम् समस्त बजाज परिवार, सम्बन्धी एवम् परिचितगण

सम्पर्क सूत्र - 9811044488, 9810091642, 9891105590, 9312669700

वसुंधरा मंडल की बैठक में भाजपा के 12 वर्ष पर चर्चा, 16 जून को होगा प्रबुद्ध सम्मेलन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। वसुंधरा मंडल भाजपा की मासिक बैठक रविवार को मंडल प्रभारी राजन आर्य और मंडल अध्यक्ष विनीत त्यागी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में केंद्र में भाजपा सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर संगठन की उपलब्धियों और आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में तय किया गया कि 16 जून को वसुंधरा में प्रबुद्ध सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस सम्मेलन के संयोजक पार्षद नरेश भाटी को बनाया गया है।

सम्मेलन में क्षेत्र के डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, व्यापारी, अधिवक्ता सहित 500 से अधिक प्रबुद्धजनों के आने की उम्मीद है। मंडल अध्यक्ष विनीत त्यागी ने कहा कि सम्मेलन में मोदी सरकार के 12 वर्षों की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और राष्ट्र निर्माण में भाजपा के योगदान पर चर्चा होगी। साथ ही 2027 के विधानसभा चुनाव की रणनीति पर भी मंथन किया जाएगा। मंडल प्रभारी राजन आर्य ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं को जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा कि घर-घर जाकर प्रबुद्धजनों को आमंत्रित करें। सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने के लिए बूथ स्तर तक टीमों का गठन किया गया है। कार्यक्रम संयोजक पार्षद नरेश भाटी ने बताया कि सम्मेलन के लिए स्थान और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मुख्य अतिथि और वक्ताओं की सूची जल्द जारी होगी। बैठक में मंडल महामंत्री, सभी वार्ड अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक व मोर्चा अध्यक्ष मौजूद रहे।

वसुंधरा सेक्टर-16 में एसीपी कार्यालय के पास बाइक सवार बदमाशों ने मोबाइल लूटा

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। सेक्टर-16 में एसीपी कार्यालय से कुछ ही दूरी पर बाइक सवार बदमाशों ने मोबाइल लूट की वारदात को अंजाम दिया। घटना रविवार सुबह करीब 6:30 बजे की है। पीड़ित कार चालक अपनी गाड़ी में बैठकर फोन पर बात कर रहा था।

इसी दौरान बाइक पर सवार दो बदमाश आए और झपट्टा मारकर मोबाइल छीनकर फरार हो गए। पीड़ित ने शोर मचाया लेकिन तब तक बदमाश तेजी से गली में गायब हो गए। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि वारदात एसीपी कार्यालय से मात्र कुछ कदम की दूरी पर हुई। पुलिस के नाक के नीचे हुई लूट से इलाके में दहशत है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सुबह के समय पुलिस गश्त न के बराबर रहती है, जिसका फायदा बदमाश उठा रहे हैं।

सूचना पर इंदिरापुरम पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही बदमाशों को पकड़ लिया जाएगा। क्षेत्रवासियों ने एसीपी कार्यालय के पास ही बढ़ती लूट की घटनाओं पर नाराजगी जताई और गश्त बढ़ाने की मांग की है।

बिजली संकट को लेकर ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाने की मांग तेज

नोएडा (करंट क्राइम)। थाना छपरौला क्षेत्र के अंतर्गत प्रीत विहार कॉलोनी के निवासियों ने बिजली आपूर्ति की गंभीर समस्या को लेकर उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बिशनोली पावर हाउस को ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों ने क्षेत्र में लगे 100 केवीए के एकमात्र ट्रांसफार्मर पर अत्यधिक लोड होने का आरोप लगाते हुए तत्काल अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाए जाने की मांग की है। कॉलोनीवासियों का कहना है कि क्षेत्र में लगभग 175 से अधिक घर हैं, जिनकी विद्युत आपूर्ति केवल एक ही ट्रांसफार्मर के माध्यम से की जा रही है।

लगातार बढ़ती आबादी और बिजली खपत के कारण ट्रांसफार्मर पर अत्यधिक दबाव बन गया है, जिससे आए दिन वोल्टेज में भारी गिरावट, ट्रिपिंग और बिजली आपूर्ति में बाधा जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। ग्रामीणों के अनुसार लाइनमैन द्वारा भी यह बताया गया है कि ट्रांसफार्मर अपनी क्षमता से अधिक लोड पर कार्य कर रहा है, जिससे कभी भी बड़ा फॉल्ट या ट्रांसफार्मर जलने की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इससे क्षेत्र में कई कई दिनों तक बिजली आपूर्ति ठप हो जाती है।

चिन्टू जी

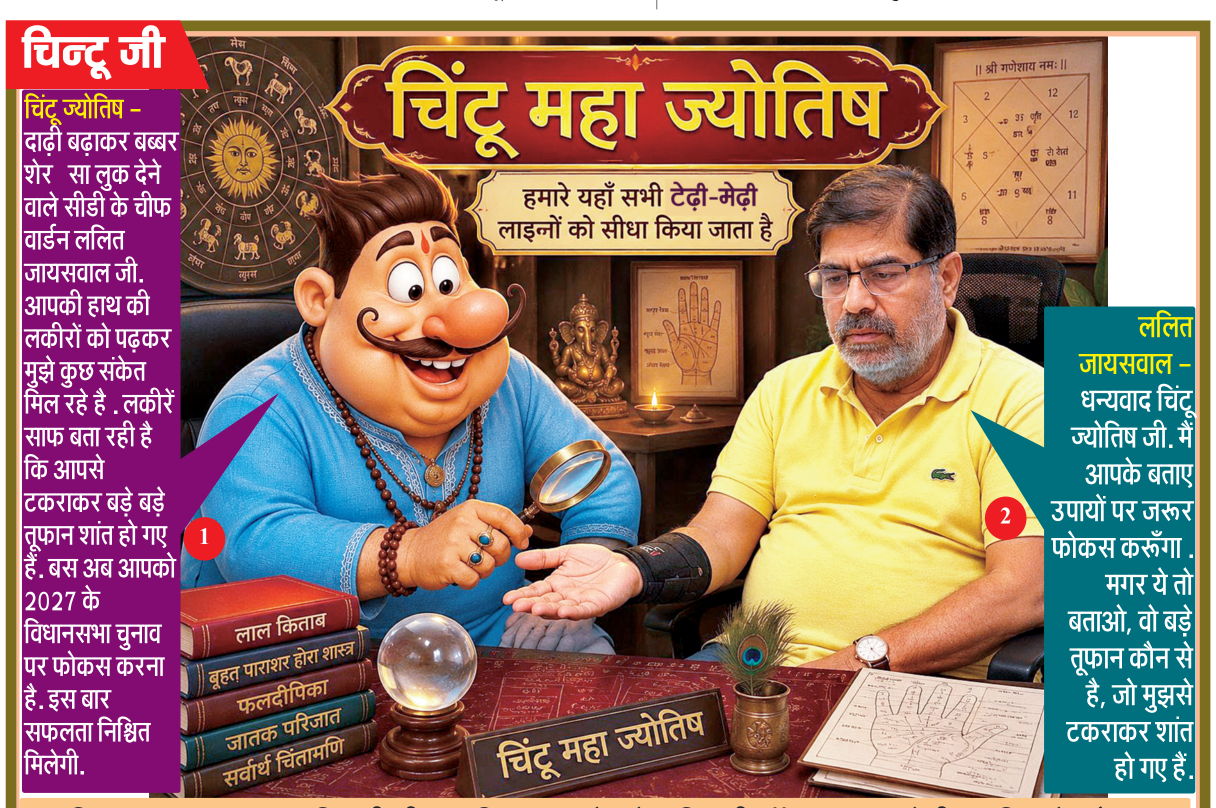

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।